卐 श्री सदगुरू देवाय नम:卐 卐ओ३म्卐 卐 जय माता दी 卐
卐 सीताराम बाबा जी 卐卐जय बाबा की 卐卐श्याम बाबा卐 卐
卐 ! जाके सुमिरन तें रिपु नासा!! ! नाम सत्रुहन बेद प्रकासा!! 卐

उल्लंघ्य सिन्धो: सलिलं सलीलं,य:शोकवहि जनकात्मजाया: आदाय तेनैव ददाह लंकां,नमामि तं प्राज्जलिराज्जनेयम्
मनोजवं मारूत तुल्य वेगं,जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम् वातात्मजं वानरयूथ मुख्यं, श्रीराम दूतं शरणं प्रबद्ये

केन्द्र व उत्तरांचल सरकार से विज्ञापन मान्यता प्राप्त

हिन्दी सान्ध्य दैनिक

उत्तरांचल दर्पण

♦वर्ष 25 ♦अंक 176 ♦पृष्ठ 8 ♦रूद्रपुर(ऊधमसिंहनगर) ♦ बृहस्पतिवार ♦3 अप्रैल 2025 ♦मूल्य दो रूपया

darpan.rdr@gmail.com 9897427585 UTTARANCHAL DARPAN www.uttaranchaldarpan.in

षष्ठम नवरात्र

मां कात्यायनी मां दुर्गा की छठी विभूति हैं । शास्त्रों के मुताबिक जो भक्त दुर्गा मां की कात्यायनी की आराधना करते हैं मां की कृपा उन पर सदैव बनी रहती है।

संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करेंगे शीर्ष अदालत के सभी जज

नई दिल्ली (उद संवाददाता)। सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला लेते हुए कहा है कि शीर्ष न्यायालय के सभी 33 जज अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करेंगे। न्यायपालिका में भ्रष्टाचार से जुड़ी चर्चाओं के बीच लोगों के विश्वास को बरकरार रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अपनी संपत्ति की घोषणा सार्वजनिक करने पर सहमति जताई है। पूर्ण न्यायालय की बैठक में ये फैसला लिया गया है कि शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश अपनी संपत्ति का डेटा सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड करेंगे।सुप्रीम कोर्ट की

वेबसाइट के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक आधार पर होगी। बता दें, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना सहित तीस न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की घोषणा प्रस्तुत की है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के सभी जज अपनी संपत्ति का ब्योरा पहले ही दे चुके हैं, लेकिन इन जानकारियों को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया हैं।

शक्ति नहर में गिरी कार,महिला की मौत

देहरादून (उद संवाददाता)।विकासनगर में कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, विकासनगर से पांच लोग एक कार में सवार होकर ढकरानी की ओर जा रहे थे। इस दौरान वाहन चालक ने नियंत्रण खो दिया और कार भीमावाला पुल के पास अनियंत्रित होकर शक्ति नहर में गिर गई। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस ने एसडीआरएफ को सूचित किया, और टीम घटनास्थल पर पहुंची। रेस्क्यू ऑपरेशन में कड़ी

मेहनत के बाद, एसडीआरएफ की टीम ने कार में फंसी एक महिला का शव बाहर निकाला। महिला की पहचान 30 वर्षीय इशरत , पत्नी जीशान, निवासी ढकरानी के रूप में हुई। जबकि कार में सवार चार लोग किसी तरह सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। एसडीआरएफ टीम के अपर उप निरीक्षक (शेष पृष्ठ सात पर)

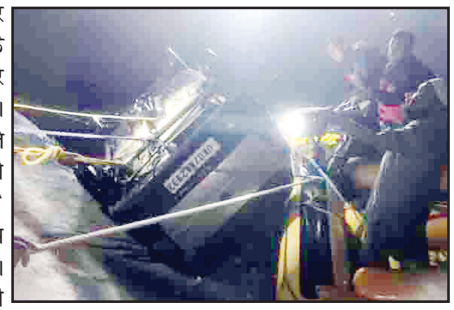

घर में मोबाईल चुराते दो चोर रंगे हाथ दबोचे

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। घर में घुसकर मोबाइल चुराने वाले दो चोरों को गृह स्वामी ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को न्यायालय में पेश किया। जानकारी के अनुसार बड़ी मस्जिद इंदिरा नगर निवासी मोहम्मद कामिल पुत्र रशीद अपने परिवार के साथ दो अप्रैल की रात्रि में सो रहा था। तभी दो युवक उसके घर में घुस गए और उसका मोबाइल चुराने लगे। इतने में ही कामिल की आंख खुल गई और उसने शोर मचा दिया। जिससे आसपास के लोग भी एकत्र हो गए। लोगों की मदद से कामिल ने दोनों चोरों को पकड़ लिया और उन्हें बनभूलपुरा थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने दोनों चोरों आवश्यक से पूछताछ की। उन्होंने अपना नाम पता अरमान पुत्र दानिश निवासी उजाला नगर व फुरकान पुत्र इकराम बड़ी मस्जिद इंदिरा नगर बताया। पकड़े गए चोरों ने पुलिस को बताया कि वह नशे के आदी है। इसी के चलते वह चोरी कर रहे थे। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया।

चोरों ने घर से लाखों के जेवर उड़ाये

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। विगत दिवस अज्ञात चोरों ने इन्द्रा कालोनी में परिजनों की गैर मौजूदगी में घर का ताला तोड़कर लाखों रूपये कीमत के जेवर चोरी कर लिए। घटना की रपट दर्ज करा दी गई है। दर्ज रपट में अभिषेक पुत्र विनोद कुमार मूल निवासी ग्राम गदियाना, जिला शाहजहांपुर हाल निवासी इन्द्रा कॉलोनी, गली नंबर 4 ने कहा है कि वह विगत 10 वर्षा से इन्द्रा कॉलोनी, गली नम्बर 4 में अपने माता–पिता के साथ किराये पर निवास करता आ रहा है। पिता विनोद कुमार ने 31 मार्च को निजी हॉस्पिटल में अपना अल्ट्रांउण्ड करायो थो जिसकी रिपोर्ट लेने के लिए वह एवं माता श्रीमती शान्ति देवी 1 अप्रैल की दोपहर हॉस्पिटल गये थे। जब घर वापिस लौटे तो देखा कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसके कमरे का ताला तोड़कर कमरे में रखे बक्से से सोने की नथुनी, झमके, टीका, दो मंगलशुत्र व अंगूठी तथा चाँदी के दो पायल चोरी कर लिया है। पुलिस ने घटना की रपट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरों ने दिनदहाड़े फोटो शॉप खंगाली

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। अज्ञात चोरों ने पुलिस को चुनौती देते हुए दिनदहाड़े फोटो शॉप की दुकान में धावा बोलकर वहां से हजारों रुपए की नगदी सहित अन्य सामान चोरी कर लिया। दुकान स्वामी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुखानी थाना पुलिस को तहरीर सौंप कर चोरों को पकड़ने की गुहार लगाई है। सरदार की कोठी निवासी चंदन गिरी गोस्वामी पुत्र हरीश गिरी गोस्वामी की लालडॉट रोड सावित्री स्कूल के समीप चंदू फोटो स्टूडियो के नाम से दुकान है। चंदन 2 अप्रैल को दोपहर 11 बजे दुकान का शटर बन्द कर किसी कार्य से कहीं गया था। जब वह आधे घंटे के भीतर दुकान पर वापस आया तो उसने देखा कि उसकी दुकान का शटर खुला हुआ है और दुकान से (शेष पृष्ठ सात पर)

राज्यपाल कल पंतनगर में

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। महामहिम राज्यपाल उत्तराखण्ड ले.ज. (सेनि.) गुरमीत सिंह 04 अप्रैल को एक दिवसीय कार्यक्रम में गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर में पधार रहे है। प्राप्त कार्यक्रम के अनुसार महामहिम राज्यपाल महोदय 04 अप्रैल 2025 को 9.45 बजे जौलीग्रड से हवाई जहाज द्वारा प्रस्थान कर 10.45 बजे पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचेगें। एयरपोर्ट से कार द्वारा प्रस्थान कर 10.55 बजे तराई भवन पहुंचेगें। उसके उपरांत विश्वविद्यालय में मधु वाटिका, गौरा देवी प्रशिक्षण केन्द्र, देवकी नंदन अग्रवाल स्टूडेंट रीक्रिएशन सेंटर का उद्घाटन (शेष पृष्ठ सात पर)

नियमों के विरूद्ध चल रहे ई रिक्शा के खिलाफ चला अभियान

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। यातायात पुलिस द्वारा गत दिवस नगर में नियमों के विरूद्ध संचालित किया जा रहे कई टुकटुक चालकों के खिलाफ अभियान चलाकर अनेक टुकटुकों को सीज कर दिया गया। जिससे टुकटुक चालकों में हड़कम्प मचा रहा। अभियान के दौरान यातायात पुलिस ने बिना इंश्योरेंस और ड्राइविंग लाईसेंस के चल रहे टुकटुक चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। अभियान में एक दर्जन से अधिक टुकटुक सीज किए गए। अभियान के चलते पुलिस टीम को देख अधिकांश टुकटुक चालक अपना टुकटुक लेकर इधर उधर भागते नजर आए। यातायात उप निरीक्षक धनपाल तनवार ने बताया कि जिन टुकटुक वाहन का इंश्योरेंस समाप्त हो गया और बिना फिटनेस के दौड रहे ऐसे टुकटुक सीज किए जा रहे हैं। साथ ही बिना ड्राइविंग लाइसेंस के टुकटुक चलाने वाले चालकों पर भी कार्रवाई कीजा रही है। उन्होंने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

शराब की दुकान के खिलाफ महिलाओं का प्रदर्शन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। ग्राम भूरारानी की डिवाईन पार्क कालोनी में शराब की दुकान खोलने की तैयारी के खिलाफ महिलाओं ने कलैक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। जिसमें उन्होंने कहा है कि यहां पिछले 6 माह से शराब की दुकान बंद है। उन्हें सन्देह है कि इस वर्ष पुन: शराब की दुकान खोली जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस सन्दर्भ में पूर्व में भी ज्ञापन दिया जा चुका है। शराब की दुकान का पूर्व में विरोध करने पर उन्हें अभी भी कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। महिलाओं ने बताया कि उक्त शराब की दुकान का सही स्थान बंगाली कालोनी है। उन्होंने ज्ञापन में जिलाधिकारी से कालोनीवासियों के हित में इस सन्दर्भ में अपने स्तर से आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

उत्तराखंड की जेलों में क्षमता से डेढ़ गुने कैदी बंद

उत्तराखंड की सामान्य जेलों में 3541 के स्थान पर 5521 कैदी

काशीपुर। उत्तराखंड जैसे शान्त माने जाने वाले राज्य में भी उत्तराखंड की 10 सामान्य जेलों में उसकी क्षमता 3541 से डेढ़ गुने से अधिक 5521 कैदी बंद है। इसके अतिरिक्त सम्पूर्णानन्द शिविर सितारगंज (खुली जेल) में 45 सजायाफ्ता कैदी बंद हैं। यह खुलासा सूचना अधिकार के अन्तर्गत कारागार मुख्यालय द्वारा नदीम उद्दीन को उपलब्ध करायी गयी सूचना से हुआ। काशीपुर निवासी सूचना अधिकार कार्यकर्ता नदीम उद्दीन ने महानिरीक्षक कारागार (कारागार मुख्यालय) उत्तराखंड से उत्तराखंड राज्य की जेलो में बंदियों की क्षमता तथा वर्तमान में बंद कैदियों की संख्या के सम्बन्ध में सूचना मांगी थी। इसके उत्तर में मुख्यालय कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवा विभाग उत्तराखंड के लोक सूचना अधिकारी /प्रशानिक अधिकारी मनोज खोलिया ने अपने पत्रांक 397 दिनांक 07 फरवरी 2025 से जेलों की क्षमता तथा बंदियों का विवरण उपलब्ध कराया है। श्री नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार सम्पूर्णानन्द शिविर जेल सितारगंज (खुली जेल) तथा जिला कारागार चमोली के अतिरिक्त सभी जेलों में क्षमता से अधिक कैदी बंद है।श्री नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार क्षमता से सर्वाधिक अधिक 285 प्रतिशत कैदी 102 क्षमता वाली जिला कारागार अल्मोड़ा में 291 कैदी है। दूसरे स्थान पर क्षमता के 201 प्रतिशत कैदी 71 क्षमता वाली जिला कारागार नैनीताल में 143 कैदी बंद है। तीसरे स्थान पर क्षमता के 193 प्रतिशत कैदी 580 क्षमता वाली जिला कारागार देहरादून में 1122 कैदी बंद है। चौथे स्थान पर क्षमता के 187 प्रतिशत कैदी 635 क्षमता वाली उपकारागार हल्द्वानी में 1188 कैदी बंद है। पांचवें स्थान पर क्षमता के 156 प्रतिशत कैदी 552 क्षमता वाली केन्द्रीय कारागार सितारगंज में 860 कैदी बंद है। छठे स्थान पर क्षमता के 132 प्रतिशत कैदी 150 क्षमता वाली जिला कारागार टिहरी में 198 कैदी बंद है। सातवें स्थान पर क्षमता के 131 प्रतिशत कैदी 244 क्षमता वाली रूड़की उपकारागार में 319 कैदी बंद है। आठवें स्थान पर क्षमता के 126 प्रतिशत कैदी 888 क्षमता वाली जिला कारागार हरिद्वार में 1120 कैदी बंद है। नवें स्थान पर क्षमता के 107 प्रतिशत कैदी 150 क्षमता वाली जिला पौड़ी में 160 कैदी बंद है। श्री नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार प्रदेश में केवल दो जेले ही ऐसी है जिसमें निधरित स्वीकृत क्षमता से कम कैदी बंद है। इसमें एक विशेष जेल सम्पूर्णानन्द शिविर (खुली जेल) सितारगंज है जिसमें केवल सजायाफ्ता कैदियों को ही रखा गया है। इसकी क्षमता 300 कैदियों की है जबकि इसकी क्षमता के मात्र 15 प्रतिशत 45 कैदी ही इसमें बंद है। इसके अतिरिक्त सामान्य जेलों में स्वीकृत क्षमता से कम कैदियों वाली एकमात्र जेल जिला कारागार चमोली है। इसमें उसकी क्षमता 169 की अपेक्षा 71 प्रतिशत 120 कैदी ही बंद हैं। श्री नदीम को उपलब्ध सूचना के अनुसार उत्तराखंड की जेलों में बंद कुल 5566 कैदियों में 59 प्रतिशत 3307 कैदी विचाराधीन कैदी है जबकि 41 प्रतिशत 2259 कैदी ही सजायाफ्ता (सिद्ध दोष) कैदी है। अल्मोड़ा जेल में बंद कुल कैदियों में 64 प्रतिशत 185, नैनीताल में 81 प्रतिशत 116, देहरादून में 68 प्रतिशत 763, हल्द्वानी में 82 प्रतिशत 971, केन्द्रीय कारागार सितारगंज में 3 प्रतिशत 28, टिहरी में 66 प्रतिशत 131, रूड़की जेल में 94 प्रतिशत 299, हरिद्वार जेल में 56 प्रतिशत 625, पौड़ी जेल में 68 प्रतिशत 109, चमोली जेल में 67 प्रतिशत 80 विचाराधीन कैदी फैसले के इंतजार में है।

GAGNEJA PROPERTIES
CONTACT FOR SALE, PURCHASE RENT & LEASE
✔ Shops ✔ Houses
✔ Industrial Property
✔ Commercial Property
✔ Agriculture Land
REAL ESTATE WITHOUT THE HASSLE
MO.-8630672525,8279444462
ADD- SRA F69, Shop No.4, Adarsh Colony, Rudrapur

डीपीएस स्कूल में ग्रेजुएशन डे सेरेमनी की धूम

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। दिल्ली पब्लिक स्कूल में 9वें स्थापना दिवस एवं ग्रेजुएशन डे सेरेमनी का आयोजन भव्यता और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर, नितिन भदौरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस विशेष अवसर पर राजीव मेहता (महासचिव, फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया एवं सचिव, फेंसिंग कन्फेडरेशन ऑफ एशिया), डॉ. शिवेंद्र कश्यप (प्रोफेसर एवं डीन, जी.बी. पंत विश्वविद्यालय), डॉ. गौरव गुप्ता (संस्थापक अध्यक्ष, ग्लोबल ट्रेड एंड टेक्नोलॉजी काउंसिल, भारत), श्री बेसम हेलिस (काउंसलर, स्टेट ऑफ फिलिस्तीन दूतावास), पंकज शुक्ला (मुख्य कोषाधिकारी), डॉ. अमृता शर्मा (एसडीएम बाजपुर), और श्रीमती निर्मला बिष्ट (एसडीएम खटीमा) सहित कई गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद भारतीय परंपरा के अनुरूप अतिथियों का तिलक कर एवं पिछौड़ा पहनाकर स्वागत किया गया। विद्यालय के चेयरमैन सुरजीत सिंह ग्रोवर और वाइस चेयरमैन हरमन सिंह ग्रोवर ने अतिथियों का अभिनंदन किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इसके बाद, नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि ने विद्यालय की सराहना की मुख्य अतिथि नितिन भदौरिया ने अपने संबोधन में डीपीएस रुद्रपुर की शिक्षण पद्धति और छात्रों की उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि डीपीएस रुद्रपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान उत्तराखंड की सांस्कृतिक और शैक्षिक धरोहर को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। विद्यालय के चेयरमैन सुरजीत सिंह ग्रोवर ने कहा कि डीपीएस रुद्रपुर ने शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता और नवाचार को प्राथमिकता दी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले स्कूलों की कमी को डीपीएस रुद्रपुर ने दूर किया है। वहीं, वाइस चेयरमैन श्री हरमन सिंह ग्रोवर ने अभिभावकों को बच्चों का मार्गदर्शक और मित्र बनने की सलाह दी, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों को साकार कर सकें। समारोह के समापन पर मुख्य अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। चेयरमैन श्री सुरजीत सिंह ग्रोवर और वाइस चेयरमैन श्री हरमन सिंह ग्रोवर ने विद्यालय परिवार को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस भव्य कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और अधिक बढ़ा दिया।

पैनक्रिएटाइटिस में उत्तराखंड छठे स्थान पर

गदरपुर(उद संवाददाता)। पद्मश्री वैद्य बालेंदु प्रकाश ने कहा कि मानसिक तनाव, अनियमित दिनचर्या और पर्याप्त नींद न लेने के कारण पैनक्रिएटाइटिस (अग्नाशय शोथ) तेजी से फैल रहा है। उत्तर प्रदेश में इस बीमारी के सबसे अधिक मरीज हैं, जबकि उत्तराखंड छठे स्थान पर है, जहां अब तक 110 से अधिक मामले दर्ज हो चुके हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पद्मश्री वैध बालेंदु प्रकाश ने बताया कि इस बीमारी की जानकारी पहली बार 16वीं शताब्दी में पश्चिमी देशों में मिली थी। आज भी एलोपैथी चिकित्सा इसे मुख्य रूप से शराब से जोड़ती है, लेकिन इसके स्पष्ट कारणों पर अब तक एकमत राय नहीं है। इस बीमारी के लक्षणों में अचानक पेट दर्द, उल्टी, वजन घटने और अनियंत्रित ब्लड शुगर की समस्या देखी जाती है। उन्होंने बताया कि गंभीर मामलों में मरीज को अस्पताल में भर्ती कर ड्रिप, पेनकिलर, एंजाइम और एंटीबायोटिक्स दी जाती हैं। इसके बावजूद, यह बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती रहती है और लगभग 20 से 55 प्रतिशत रोगियों में पैंक्रियास कैंसर होने की संभावना बनी रहती है। शोध के अनुसार, निदान के दस वर्षों के भीतर 92 प्रतिशत रोगियों की मृत्यु हो जाती है। उन्होंने कहा कि 1970 के दशक में मेरठ निवासी स्वर्गीय वैद्य चंद्र प्रकाश ने आयुर्वेद के 'गंधक जारण' सिद्धांत पर शोध किया और 'अमर' नामक आयुर्वेदिक औषधि विकसित की। इस औषधि का अध्ययन बेंगलुरु स्थित भारतीय विज्ञान संस्थान और मैसूर अनुसंधान केंद्र में किया गया, जहाँ इसे प्रभावी पाया गया और शोध-पत्र प्रकाशित हुए। पैनक्रिएटाइटिस पर हिंदी में जानकारी की कमी को देखते हुए पद्मश्री वैद्य बालेंदु प्रकाश ने ग्रंथि की गुत्थी नामक पुस्तक लिखी है। इसका संपादन मेघा प्रकाश ने किया है। पुस्तक की प्रस्तावना आयुष मंत्रालय के सचिव पद्मश्री वैद्य राजेश कोटेचा ने और विषय भूमिका आईसीएमआर के पूर्व निदेशक डॉ. विश्व मोहन कटोच ने लिखी है। 27 मार्च को आयुष मंत्रालय के सचिव ने इस पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक में दावा किया गया कि शराब ही एकमात्र कारण नहीं: 66 प्रतिशत रोगियों ने कभी शराब नहीं पी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि इसके अन्य कारण भी हो सकते हैं। जैसे रात्रि जागरण, देर से नाश्ता, पोषण की कमी, एनीमिया और अत्यधिक व्यायाम हैं रोगियों के अनुभव बताते हैं कि आयुर्वेदिक चिकित्सा पैनक्रिएटाइटिस में प्रभावी साबित हो रही है।'ग्रंथि की गुत्थी' हिंदी में पैनक्रिएटाइटिस पर लिखी पहली पुस्तक है, जिसे वैद्य चंद्र प्रकाश कैंसर रिसर्च फाउंडेशन ने प्रकाशित किया है। यह पुस्तक आम जनता और वैज्ञानिकों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

मंदिर से चुराई नगदी और घंटियों सहित चोर गिरफ्तार

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। कोतवाली पुलिस ने मंदिर में हुई घंटी व नगदी चोरी की घटना का 24 घंटे के अंदर खुलासा करते हुए शातिर चोर को नगदी व घंटियों सहित गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार 1 अप्रैल को चन्द्रशेखर पाण्डे पुत्र आनन्द बल्लभ पाण्डे निवासी रामपुर रोड़ धानमिल कृष्णानगर फेस प्प पुजारी माँ भगवती शक्तिपीठ श्री केदारपुरम वार्ड नं0- 58 तल्ली हल्द्वानी ने थाने में रपट दर्ज कराई कि अज्ञात चोर द्वारा माँ भगवती शक्तिपीठ श्री केदारपुरम तल्ली हल्द्वानी, वार्ड 58 के मन्दिर का ताला तोड़कर मन्दिर में रखे हुए कुछ सिक्के व नोट तथा चार घंटियां चोरी कर ली गई हैं। गठित टीम ने सचिन सैनी पुत्र कलवा निवासी राजनपुर नंबर दो थाना गदरपुर उधम सिंह नगर को चोरी के माल पीतल की घंटियां तथा 2210 रूपए नगद तथा घटना में प्रयुक्त लोहे का सरिया व पेचकस सहित पीडब्ल्यूडी गेट मण्डी से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक प्रेम विश्वकर्मा प्रभारी चौकी मंडी, कॉस्टेबल ललित मेहरा व धीरेंद्र सिंह अधिकारी शामिल थे।

स्मार्ट मीटर योजना के खिलाफ भाकपा माले और किसान महासभा ने किया प्रदर्शन

हल्द्वानी/रूद्रपुर (उद संवाददाता)। प्रदेश सरकार से बिजली के स्मार्ट मीटर लगाने की योजना वापस लेने और यूपीसीएल के निजीकरण की कोशिशें बंद करने की मांग पर राज्यव्यापी प्रदर्शन के तहत बुद्ध पार्क में भाकपा माले और किसान महासभा कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया। धरने के बाद बुद्ध पार्क से उपजिलाधिकारी कार्यालय तक जुलूस निकाल प्रदर्शन कर पांच सूत्रीय मांग पत्र मुख्यमंत्री को भेजा। भाकपा माले जिला सचिव डॉ कैलाश पाण्डेय ने कहा कि प्रदेश सरकार बिजली के स्मार्ट मीटर लगा रही है जिसे पहले प्रीपेड मीटर के नाम से लगाने की योजना थी। भारी जनविरोध के बाद प्रीपेड मीटर योजना का नाम बदलकर स्मार्ट मीटर योजना कर दिया गया। पहले ही डिजिटल मीटर पूरे प्रदेश में लगे हुए हैं तब ये स्मार्ट मीटर लगाए जाने की आवश्यकता समझ से परे है। बिजली चोरी रोकने का तर्क देकर जो स्मार्ट मीटर लगाए जाने की योजना बनाई गई है वह केवल भरमाने की कोशिश है क्योंकि जो भी लोग पहले से ही मीटर लगाए हुए हैं वे बदस्तूर बिजली बिल जमा करते हैं। ऐसे में इसके पीछे यूपीसीएल के निजीकरण और भविष्य में इन मीटरों को प्रीपेड बनाने की कोशिशें ही प्रतीत होती हैं जिसका पुरजोर विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से स्मार्ट मीटर लगाने का काम पूंजीपति गौतम अडानी को दिया गया नहें उससे सरकार की मंशा और भी साफ हो गई है। सरकार यूपीसीएल का आग्रहनिजीकरण और बिजली के दामों में भारी बढ़ोत्तरी करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह विद्युत विभाग के कर्मचारियों के लिए भी खतरे की घंटी है क्योंकि स्मार्ट मीटर लगाने से भारी पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी होगी, पहले से ही ठेके पर काम कर रहे कर्मियों की नौकरियों पर गाज गिरना लाजमी है। भयानक हो रही बेरोजगारी में और इजाफा होगा। किसान महासभा बागजाला की अध्यक्ष उर्मिला रैस्वाल ने कहा भाजपा सरकार द्वारा पहले ही कई कई बार बिजली दरों में वृद्धि करके आम जनता के लिए मुश्किलें खड़ी की गई हैं और अब सरकार स्मार्ट बिजली मीटर लगाने की योजना पर काम कर उनकी मुश्किलों को बढ़ाने का काम कर रही है। भाकपा माले की ओर से पांच सूत्रीय मांगपत्र सौंपा गया जिसमें राज्य में विद्युत के स्मार्ट मीटर लगाने की योजना वापस लेकर बिजली मीटरों की पुरानी पद्धति जारी रखने, यूपीसीएल के निजीकरण - ठेकाकरण की कोई भी कोशिश बंद करने, लगातार जारी लो-वोल्टेज की समस्या और उसके बावजूद बिजली बिलों में भारी बढ़ोत्तरी पर रोक लगाने, बिजली दरों में किसी भी तरह की वृद्धि न करने और विद्युत बिलों में मीटर रीडिंग के अतिरिक्त लगाये जाने वाले फिक्स चार्ज को समाप्त करने की मांग शामिल है। धरना प्रदर्शन में प्रकाश फुलोरिया, वेद प्रकाश, पंकज चौहान, मो. यासीन, मीना भट्ट, मोहन लाल आर्य, नफीस अहमद खान, मीना भट्ट, नारायण दत्त जोशी, विमला देवी, हरक सिंह बिष्ट, चन्दन सिंह मटियाली, नंदी देवी, चंपा देवी, तुलसी देवी, इमरान, कमल नौला, शाहनवाज, लक्ष्मी आदि शामिल रहे।

रूद्रपुर-भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माले) ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर योजना को वापस लेने व यूपीसीएल के निजीकरण को रोकने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया। इस दौरान भाकपा(माले) जिला सचिव ललित मटियाली ने कहा कि धामी नेतृत्व की भाजपा सरकार ने यूपीसीएल का निजीकरण करते हुए पहले के स्मार्ट मीटर को बदलने का ठेका अडानी की कंपनी को दे दिया है। ये कदम यूपीसीएल के निजीकरण करने की कोशिश है। अडानी की कंपनी पुराने स्मार्ट मीटर को हटाकर नए प्रीपेड मीटर लगा रही है। जोकि मोबाइल सिम तकनीक पर आधारित है। जिसमें पहले बिल चुकाना होगा तब जाकर जनता बिजली का उपभोग कर पाएगी। यह योजना गरीब जनता के लिए आर्थिक रूप से बेहद खतरनाक है। प्रदेश की अधिकांश जनता न तो आर्थिक रूप से सक्षम है और ना ही तकनीकी रूप से। ऐसे में इस तरह की योजना लाना अडानी जैसे पूंजीपति को लाभ पहुंचाने के लिए ही बनी है। जब पूरा यूपीसीएल अडानी के हाथों होगा तो बिजली की दरें बेतहाशा बढ़ेंगी। बिहार में भाकपा(माले) के सर्वे में पता लगा कि जो बिल 30 दिन में सामान्य मीटर से आ रहा था, अब वही बिल लगभग 15 दिन में आ रहा है। ललित मटियाली ने कहा कि जब इस योजना का विरोध हुआ तो सरकार ने जनता को भ्रम में डालने के लिए घोषणा कर दी कि प्रीपेड नहीं बल्कि पोस्टपेड योजना होगी। मोबाइल सिम आधारित मीटर को पोस्टपेड से कभी भी प्रीपेड में बदला जा सकता है। इसलिए सरकार भ्रम न फैलाए। ज्ञापन में मांग की गई कि जनहित को देखते हुए यूपीसीएल के निजीकरण की कोशिश और प्रीपेड मीटर लगाने की योजना पर तुरन्त रोक लगनी चाहिए।इस दौरान अनिता अन्ना, कमलेश कार्की, अखिलेश सिंह, करण सिंह, विजय शर्मा, वीर सिंह आदि मौजूद थे।

सूचना नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम पूजा शर्मा से बदलकर प्रीत कौर रख लिया है। भविष्य में मुझे प्रीत कौर के नाम से जाना व पहचाना जाए।

प्रीत कौर पत्नी श्री लखवीर सिंह,
निवासी-वार्ड न-14, सुभाष कॉलोनी,
रुद्रपुर, उधम सिंह नगर, उत्तराखंड

ईशा क्रिकेट में कर रही किच्छा नाम रोशन

किच्छा (उद संवाददाता)। सरदार भगत सिंह डिग्री कॉलेज की छात्रा ईशा बिस्टेनिया क्रिकेट क्षेत्र में नाम रोशन कर किच्छा का मान बढ़ा रही है। वह उड़ीसा के भुवनेश्वर में आज 3 अप्रैल से 11 अप्रैल तक आयोजित हो रही ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी क्रिकेट चौंपियनशिप 2024 -25 नॉर्थ जोन में उत्तराखंड कुमाऊ यूनिवर्सिटी की टीम में अपना स्थान बनाकर भाग ले रही है। क्रिकेट खिलाड़ी ईशा बिस्टेनिया क्षेत्र के समाजसेवी एवं पत्रकार कैलाश चंद्र बिस्टेनीया की पुत्री हैं। उन्होंने बताया कि ईशा को बचपन से ही क्रिकेट खेलने का शौक था जिसके लिए उसने बचपन से ही क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था कोरोना काल के दौरान उनका चयन अंडर-19 में नहीं हो पाया था उसके बाद उन्होंने इंटर करने के बाद रुद्रपुर सरदार भगत सिंह डिग्री कॉलेज में बीएससी में प्रवेश लिया तथा क्रिकेट के जुनून को बनाए रखा उन्होंने स्थानीय स्तर पर और अन्य स्थानों पर क्रिकेट की प्रैक्टिस की तथा क्रिकेट का अध्ययन भी किया इस दौरान अंतर महाविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट में विद्यालय द्वारा उनको टीम में शामिल किया गया तथा इसके उपरांत यूनिवर्सिटी लेवल पर कई बार प्रतियोगिताओं में उतारा गया। इस दौरान कुमाऊं यूनिवर्सिटी के क्रीड़ा अधिकारी नागेंद्र शर्मा एवं कोच राजेश सिंह, आलोक पांडे के द्वारा भी ट्रायल के तौर पर होने मैच खेलने के लिए आमंत्रित किया गया तो राइट आर्म ऑफ स्पिनर होने के नाते मौका दिया गया। जिस पर कई बार उन्होंने अपना कम समय में अच्छा प्रदर्शन किया। जिस पर क्रीड़ा अधिकारी एवं कोच द्वारा उन्हें नॉर्थ जोन के लिए हरियाणा के पानीपत में आयोजित नॉर्थ जोन यूनिवर्सिटी क्रिकेट प्रतियोगिता के टीम में भी शामिल किया गया। जहां पर कुमाऊं यूनिवर्सिटी की टीम ने नॉर्थ जोन में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। नॉर्थ जोन में कुमाऊं यूनिवर्सिटी द्वारा स्थान सुरक्षित कर लिए जाने के बाद उत्तराखंड से एकमात्र कुमाऊं यूनिवर्सिटी की 16 सदस्यीय टीम में ईशा बिस्टेनिया को भी मौका मिला है जिसको लेकर के ईशा बिस्टेनिया काफी उत्साहित है। ईशा बिस्टेनिया के पिता ने बताया कि यदि ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी क्रिकेट प्रतियोगिता 2024 25 में ईशा का प्रदर्शन सार्थक रहा तो आने वाले वूमेन प्रीमियर लीग एवं अन्य विभिन्न प्रकार के राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी ईशा को अपना प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार को भी चाहिए क्रिकेट जैसे खेल को भी प्रोत्साहित करते हुए महिलाक्रिकेट खिलाड़ियों को भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

भाजपा सरकार में खुलेआम हो रहा अवैध खनन:पपनेजा

किच्छा (उद संवाददाता)। अखिल भारतीय राहुल गांधी बिग्रेड के पूर्व प्रदेश सचिव भूपेंद्र कुमार उर्फ बंटी पपनेजा ने प्रदेश की भाजपा सरकार में हो रहे अवैध खनन के कारोबार पर सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में खुलेआम अवैध खनन का कारोबार फल फूल रहा है। जिसकी पुष्टि भाजपा के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद सिंह रावत ने भी अपना पक्ष सरकार के विरुद्ध देकर की है। उन्होंने कहा कि विगत दिनों दरऊ चौक पर हुई दुर्घटना में दंपति की मृत्यु हो जाने के कई दिनों बाद भी सरकार व प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाये। जिससे स्पष्ट होता है कि प्रदेश सरकार के मंत्री व विधायक अपने स्वार्थ को सिद्ध करने में लगे हैं उन्हें जनता की जान से कोई लेना देना नहीं है। पपनेजा ने कहा कि भाजपा की सरकार जहां एक और अपने 3 वर्ष पूरे होने की खुशी मना रही थी वहीं ओवरलोड डंपरों से कई घरों के चिराग बुझ गए। पपनेजा ने कहा कि अवैध खनन के कारोबार व ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध यदि शीघ्र कदम नहीं उठा तो कांग्रेस जनता के साथ मिलकर आंदोलन करेगी।

मुनस्यारी के युवक की गौला नदी में डूबने से मौत

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। मुनस्यारी पिथौरागढ़ निवासी युवक की अमृतपुर के पास दोस्तों के साथ गौला नदी में नहाने के दौरान डूब जाने से मौत हो गयी। जिससे उसके दोस्तों में हड़कंप मच गया और वह सभी चुपचाप वहां से चले गए। परिजनों से सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतक के शव को नदी से निकाल कर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार मुनस्यारी पिथौरागढ़ निवासी 27 वर्षीय भूपेश सिंह रावत पुत्र स्व. बाला सिंह यहां मुखानी कठघरिया में अपने चाचा के घर पर रहता था और वर्तमान में वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले ही भूपेश ने समूह ग की परीक्षा भी उत्तीर्ण की थी। जानकारी के अनुसार मंगलवार शाम को भूपेश घर से दोस्तों के संग घूमने की बात कहकर निकला था। लेकिन देर शाम तक वह घर नहीं लौटा। जिसके बाद परिवार ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने भूपेश के दोस्तों का नंबर तलाश कर उनसे संपर्क किया तब पता चला कि वह नहाने के लिए अमृतपुर में अमिया के पास गौला नदी में गए थे। वहां भूपेश डूब गया। दोस्तों ने भूपेश को नदी से बाहर निकाला और बेहोशी की हालत में उसे तत्काल नैनीताल रोड स्थित एक निजी अस्पताल में लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। कोतवाल राजेश कुमार यादव ने बताया कि मौत के कारणों की जांच की जाएगी। मामले में परिवार ने अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

महापौर ने किया नई लाईटों का शुभारम्भ

रूद्रपुर(उद संवाददाता)। ट्रांजिट कैम्प मुख्य मार्ग पर नगर निगम की ओर से लगाई गयी नई लाईटों का महापौर विकास शर्मा ने बटन दबाकर शुभारम्भ किया। नई लाईटों के उदघाटन के साथ ही ट्रांजिट कैम्प मुख्य मार्ग तिरंगा रोशनी से जगमगा उठा। इस दौरान क्षेत्रवासियों ने महापौर विकास शर्मा और नगर निगम की टीम का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। नई लाईटों का शुभारम्भ करते हुए महापौर विकास शर्मा ने कहा कि शहर को स्वच्छ सुंदर बनाना उनकी प्राथमिकता है। शहर की जो भी समस्याएं सामने आयी हैं, उन पर प्राथमिकता से काम किया जा रहा है। ट्रांजिट कैम्प मुख्य मार्ग में लाईटें नहीं होने के कारण यहां अंधकार रहता था, जिससे रात के समय आवागमन में दिक्कतें होने के साथ ही अपराधिक तत्वों का भी खतरा बना रहता था। जिसे देखते हुए नगर निगम ने इस मार्ग में नई लाईटों की व्यवस्था की है। इसके अलावा भी शहर में कई स्थानों पर पथ प्रकाश की व्यवस्था के लिए नगर निगम प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर की जनता को मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जनता से जो वायदे उन्होंने चुनाव से पहले किये थे उन्हें एक एक करके प्राथमिकता से पूरा किया जायेगा। जनता ने जिन उम्मीदों से उन्हें सेवा का अवसर दिया है, जनता की इन उम्मीदों खरा उतरने में कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी। इस अवसर पर नगर आयुक्त नरेश दुर्गा पाल,उप नगर आयुक्त श्रीमती शिप्रा जोशी पांडे , भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल, मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता,भाजपा नेता, नेता दिलीप अधिकारी ,पार्षद पवन राणा, पार्षद शुभम दास, पार्षद मुकेश रस्तोगी, पार्षद एम पी मौर्य, पार्षद कैलाश राठौर, पार्षद राजेंद्र राठौर, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष जीके शर्मा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रजत दीक्षित, भाजपा नेता पारस चुघ, युवा मोर्चा मंडल महामंत्री आदेश भारद्वाज, गीता भारद्वाज, ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश शर्मा, अभय सिंह, विजय डे, शंकर विश्वास आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे

मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हल्द्वानी। आटिज्म जागरूकता दिवस के उपलक्ष्य में रोशनी सोसायटी (मानसिक दिव्यांग बच्चों के अभिवावकों की संस्था) द्वारा नगर निगम कार्यालय में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत रोशनी सोसायटी की अध्यक्ष श्रीमती शिवानी पाल द्वारा सभी उपस्थित मेहमानों का स्वागत कर किया गया और रोशनी सोसायटी का विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के 2011से निरंतर प्रयास को उपस्थित मेहमानों के सामने रखा। मुख्य अतिथि मेयर गजराज विष्ट ने बच्चों को विश्व आटिज्म दिवस की शुभकामनाएं दी और नगर निगम की तरफ से हमेशा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को समर्थन और सहयोग का भरोसा दिलाया। अति विशिष्ट अतिथि नगर आयुक्त श्रीमती रिचा सिंह ने बच्चों में छुपी प्रतिभा को बाहर निकाल कर समाज की मुख्य धारा में जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि जिला समाज कल्याण अधिकारी विश्वनाथ गौतम ने डीडीआरसी में शुरू होने वाले थैरेपी सेंटर एवं अन्य लाभकारी योजनाएं बतायीं। जहां विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पूरा सहयोग किया जा रहा है। विशेष आमंत्रित सदस्य दुष्यंत मैनाली वरिष्ठ अधिवक्ता हाईकोर्ट उत्तराखंड ने रोशनी सोसायटी के प्रयासों से राज्य भर में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए किये जा रहे प्रयासों और उनके जीवन में हुए परिवर्तन की सराहना की और हाईकोर्ट में योजित जनहित याचिकाओं के परिणाम स्वरूप प्रदेश में स्पेशल बच्चों के लिए पालिसी बनाने की प्रक्रिया शुरू होने की जानकारी दी और हमेशा इन बच्चों के पक्ष में खड़े रहने का भरोसा दिलाया।उपस्थित आटिज्म विशेषज्ञों में कैलाश जोशी जो स्वयं एक अभिवावक भी हैं एवं श्रीमती विनीता वर्मा ने आटिज्म के उपर विस्तार से जानकारी दी।कार्यक्रम में रोशनी सोसायटी एवं अन्य विशेष बच्चों के अलावा उनके अभिभावकगण उपस्थित रहे। रोशनी सोसायटी के बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उपस्थित अतिथियों द्वारा रोशनी सोसायटी के एक प्रतिभाशाली आटिस्टिक युवक पावस जोशी द्वारा लिखी पुस्तक पीक ऑफ उत्तराखंड का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के अंत में रोशनी सोसायटी के सचिव गोविन्द मेहरा द्वारा सभी उपस्थित मेहमानों का धन्यवाद किया और सभी अभिभावकों को एकजुट होकर सकारात्मक प्रयास में भागीदारी की अपील की ताकि इन बच्चों के लिए हल्द्वानी और आस-पास में समुचित व्यवस्था बनाई जा सकें। इस मौके पर रोशनी सोसायटी की उपाध्यक्ष श्रीमती हेमा परगांई, योगेश गुरुरानी, ममता धामी, अमित खोलिया, कमल उप्रेती, प्रतिभा बिष्ट एवं अन्य पदाधिकारी, जिले भर से आए विशेष बच्चे एवं उनके अभिवावक ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

अधिवक्ताओं को दी हिन्दू नव वर्ष की जानकारी

रुद्रपुर (उद संवाददाता)। जिला बार एसोसिएशन उधमसिंहनगर के अधिवक्ताओं द्वारा हिन्दू नव वर्ष चौत्र माह शुक्ल पक्ष के विक्रम संवत प्रतिपदा 2082 के अवसर पर जिला बार भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता अध्यक्ष दिवाकर पाण्डेय ने तथा संचालन सचिव सर्वेश कुमार सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला जज सिकन्द कुमार त्यागी ने माँ शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने अपने सम्बोधन में हिन्दू नव वर्ष के बारे में प्रकाश डाला तथा एक दूसरे को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। इस दौरान कार्यक्रम में समस्त न्यायिक अधिकारीगण तथा अधिवक्ताओं में उपाध्यक्ष कृष्णा चन्द, कोषाध्यक्ष पावेल कठायत, उप-सचिव विकास तिवारी, सदस्य अमित छाबड़ा, वरिष्ठ अधिवक्ता डीएन जायसवाल, शिव कुवंर सिंह, पीयूष पंत, नवीन चन्द, केएन मिश्रा, सीपी पाण्डेय, सुशीला मेहता, सीपी जोशी, कमल चिलाना, गुरबाज सिंह, सुरेन्द्र गिरधर, मनोज सिंह, नरेश रस्तोगी, परवेज आलम, आरएन राय आदि मौजूद थे।

नये प्रतिष्ठान का ठुकराल ने किया उदघाटन

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। सिडकुल ढाल के पास नये प्रतिष्ठान आर के फाईनेंस का पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने विधिवत फीता काटकर उदघाटन किया। उन्होंने प्रतिष्ठान स्वामी रितिक चौहान को बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर आर के फाईनेंस के स्वामी रितिक चौळान ने बताया कि प्रतिष्ठान में पर्सनल लोन, बिजनेस लोन, कार लोन, गोल्ड लोन, होम लोन और पशु लौन की सुविधा प्रदान की जायेगी ।इस अवसर पर ट्रांजिट कैम्प व्यापार मण्डल अध्यक्ष संजीव गुप्ता, रितिक चौहान, मनोज शर्मा, चिराग भारद्वाज, देवेन्द्र शर्मा, कवल बेदी, आर ए शर्मा, ललित, काजल चौहान, वंशिका चौहान, आदि सहित तमाम लोग थे।

कोलाज एवं चित्र कला प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया हुनर

पन्तनगर। पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय की वेट्रनेरी सोसाइटी ने अपना वार्षिक आयोजन 'वेट वीक' (श्रृंखला) प्रारंभ किया। डॉ. मीना मृगेश के मार्गदर्शन में, पूरे सप्ताहभर पेंटिंग, कोलाज, डिबेट, गायन, नृत्य, कैरम, शतरंज और ट्रेजर हंट सहित विभिन्न विश्वविद्यालय-स्तरीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएंगी। सर्वप्रथम कोलाज (सृजन) एवं पेंटिंग (तूलिका) प्रतियोगिता हुई। जिसमें विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने बढ़- चढ़ कर प्रतिभाग किया।कोलाज प्रतियोगिता का विषय 'गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय उत्तराखंड के विद्वतापूर्ण परिदृश्य को आकार प्रदान करता हुआ था। इस विषय ने छात्रों को गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की शिक्षा, अनुसंधान और विकास में भूमिका को तलाशने और प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया।कोलाज प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार हैं प्रथम स्थान आद्रीजा रावत (विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय द्वितीय स्थान आंचल शाह(पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय) तृतीय स्थान अदिति रावत एवं नंदिनी वर्मा(पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय) चित्रकला का विषय 'अप्रतिम नायक हरित क्रांति के सूत्रधार किसान और वैज्ञानिक' था। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपनी रचनात्मकता और कला कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी कला ने किसानों और वैज्ञानिकों की अथक मेहनत और योगदान को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। चित्रकला प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार हैं प्रथम स्थान रूप्रीति कांत(पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय) द्वितीय स्थान प्रियांशी अग्रवाल(पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय) ,नितीन कुमार(प्रोद्योगिकी महाविद्यालय) तृतीय स्थान सक्षम पालीवाल गोयल (कृषि महाविद्यालय) प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. अंशु राहल और डॉ. प्रणीता सिंह द्वारा किया गया, जबकि डॉ. अमित प्रसाद और डॉ. स्तुति सिंह ने भी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समापन निर्णायक मंडल के प्रेरणादायक शब्दों के साथ हुआ ,जिन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित किया।

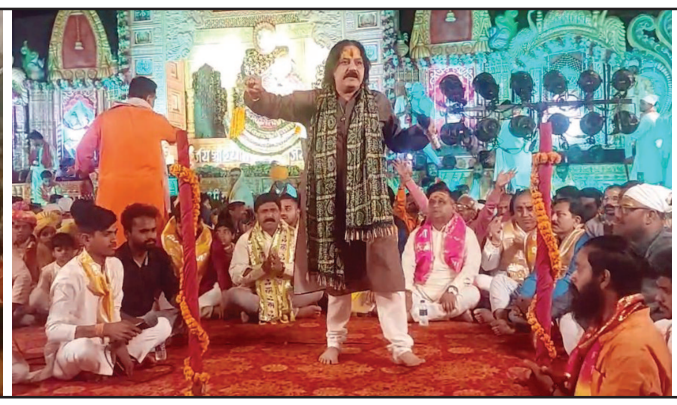

श्याम संकीर्तन में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री खाटू श्याम सेवा समिति शिवनगर ट्रांजिट कैम्प द्वारा द्वितीय भव्य श्री श्याम कृपा महोत्सव कार्यक्रम के तहत गत रात्रि इण्डियन पब्लिक स्कूल ट्रांजिट कैम्प में श्री श्याम बाबा खाटू के पूजन के बाद संकीर्तन संध्या का आयोजन किया गया। । जिसमें वृन्दावन की खुशबू राधा, ग्वालियर के मनोज शर्मा, हापुड़ के संजू पागल ने श्री श्याम बाबा खाटू की महिमा का गुणगान कर उपस्थित बाबा भक्तों को भक्ति में झूमने पर मजबूर कर दिया। । इससे पूर्व आयोजन स्थल पर बाबा श्याम खाटू महाराज जी का भव्य दरबार सजाया गया। जहां गदरपुर विधायक अरविन्द पाण्डेय, डिम्पल गुप्ता, सौरभ गुप्ता, फतेहचन्द बंसल, पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल व भारत भूषण चुघ सहित अन्य गणमान्य लोगों द्वारा अखण्ड ज्योति प्रज्जवलित की गई। कार्यक्रम के दौरान इत्र व पुष्प वर्षा की गई, श्री खाटू श्याम बाबा को छप्पन भोग लगाया गया, श्रद्धालुओं ने तेजस्वी शीश दर्शन भी किये। भजन गायक कलाकार वृन्दावन की खुशबू राधा, ग्वालियर के मनोज शर्मा, हापुड़ के संजू पागल ने श्री श्याम बाबा खाटू की महिमा का गुणगान करते हुए अनेक सुन्दर भजन सुनाये। जिन्हें सुनकर बाबा भक्त तालियां बजाते हुए खुद को झूमने से नही रोक पाये। सारा वातावरण बाबा श्याम खाटू के जयघोषों से गुंजायमान होता रहा। अंत में आरती के पश्चात प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर श्री मनौना धाम आंवला के महंत ओमेन्द्र महाराज जी, श्री बालाजी धाम बिलासपुर के महंत श्री अशोक नाथ जी, पीपली वन माता मंदिर व रिठोण्डा शिव मंदिर के महंत श्री शोभानन्द जी भारती, दूधिया मंदिर के महंत श्री शिवानन्द महाराज जी, संजीव गुप्ता, विकास बंसल, शिवम रस्तोगी, सुरेन्द्र गुप्ता, देव सक्सेना, सुरेन्द्र सक्सेना, जितेन्द्र राठौर, डिम्पल गुप्ता, सौरभ गुप्ता, मुकेश गुप्ता, मोहन राय, गौरव गुप्ता, सुमित राय, कन्हैया लाल खण्डेलवाल, संजय ठुकराल, संजय जुनेजा, जगदीश टंडन, संजीव पाठक, मुकेश राय, राजीव गुप्ता, राकेश शर्मा, पूर्व पार्षद दिलीप अधिकारी, राकेश गुप्ता, कमलदीप सोनकर, मनोज गुप्ता, मोहित सोनकर, गोपी सागर, अजय नारायण सिंह, काजल चौहान, विजय वाजपेई, राजेश सक्सेना ललित बिष्ट, शिवकुमार शिब्बू, हरीश अरोरा, राजकुमार सीकरी, राजकुमार जिन्दल, पवन गाबा, प्रेमपाल गंगवार, डीके गंगवार, कृष्णपाल गंगवार सहित सैकड़ों बाबा भक्त मौजूद थे।

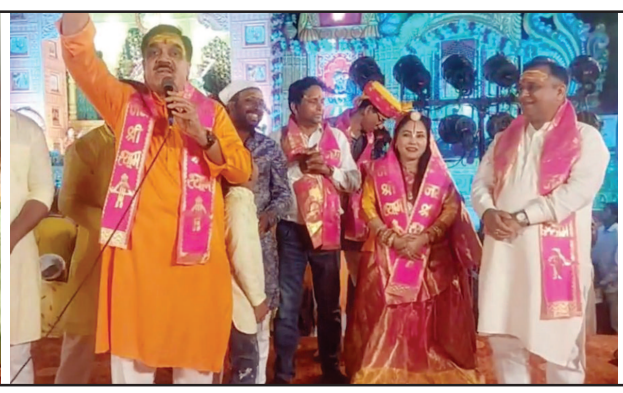

माता की चौकी में अपर्णा मिश्रा के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

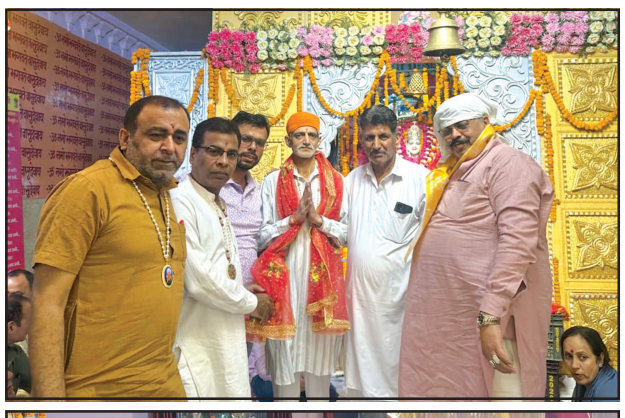

रूद्रपुर (उद संवाददाता)। श्री सनातन धर्म युवा मंच की ओर से श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में पावन नवरात्रि के उपलक्ष्य में आयोजित माता की चौकियों की श्रृंखला में बुधवार शाम दौरान श्री सनातन धर्म युवा मंच के के पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि और उनके परिवार के सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानि किया। चौकी में भजन ओर से वितरित किया गया। श्री सनातन धर्म सभा के अध्यक्ष महेश बब्बर श्री सनातन धर्म युवा मंच के सरपरस्त राकेश सुखीजा, राजेश छाबड़ा, श्री सनातन धर्म युवा मंच के अध्यक्ष अमित चावला, रोहित जग्गा, सचिन मुंजाल, बन्टी ग्रोवर, अमित आनंद, विजय चिलाना, ओम प्रकाश अरोड़ा, राजेश अरोड़ा, गुरमीत सिंह वाही, दीपक अरोरा, संजीव आनंद, मानस

भजन गायिका अपर्णा मिश्रा ने अपने भजनों से माता का गुणगान किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी जितेन्द्र साहनी एवं संदीप ने परिवार के सदस्यों के साथपूजा अर्चना की और ज्योत जलाकर चौकी का शुभारम्भ किया। इस गायिका अपर्णा मिश्रा ने तेरी रावां बिच, मां मुरादें पूरी कर, पार करो मेरा बेड़ा भवानी, जंगल के राजा आदि भजनों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। समापन पर पंच मेवे का प्रसाद मुख्य बाजार के पार्षद चिराग कालरा की अमित अरोरा बॉबी, महामंत्री मनोज मुंजाल, कोषाध्यक्ष सुमित बब्बर, हरीश अरोरा ,अश्वनी बजाज , राजेन्द्र खनिजों, चिराग कालरा, शिवम जग्गा , अजय चड्ढा, विजय चिलाना, गौरव तनेजा, गौरव जगा, राजकुमार कक्कड़, जुनेजा, हिमांशु बवेजा, अशोक बवेजा, प्रेम अरोरा, नरेश छाबड़ा, योगेश कुमार, बिट्टू ग्रोवर, विजय विरमानी, सुरेश राजदेव, शशि अरोड़ा, सोनिया अरोरा, साक्षी, लता अरोरा, राज तागरा, सोनिया सुखीजा, मोहित बत्रा आदि शामिल थ

Guru Maa Advanced Dental Care

गुरु माँ एडवांस डेन्टल क्लीनिक

WORLD-CLASS DENTAL CARE NOW IN YOUR CITY

रूट कैनाल विशेषज्ञ | डेन्टल इम्प्लांट | टेढ़े-मेढ़े दांतों का इलाज

invisalign

डॉ. आँचल ढींगरा
बी.डी.एस, एम.डी.एस. एंडोडोन्टिस्ट
रूट केनाल स्पेशलिस्ट, कॉस्मेटिक डेन्टीस्ट
सर्टिफाइड एस्थैटिक डेन्टिस्ट

Guru Maa Advanced Dental Care "A Multi Speciality Dental Clinic"
प्लॉट नं 1, सिविल लाइन्स, रुद्रपुर | 7452880018, 05944-245666

लिटिल किंगडम प्रिपरेटरी स्कूल

गुणवत्ता शिक्षा और समग्र विकास का प्रतीक

शिक्षा के क्षेत्र में अहम भूमिका निभा रही परविंदर पुरी

लिटिल किंगडम प्रिपरेटरी स्कूल की स्थापना 2001 में हमारी वरिष्ठ प्रशासक श्रीमती परविंदर (नीरा) पुरी द्वारा की गई थी। उन्हें हमारे शहर की 'आयरन लेडी' के रूप में जाना जाता है। उन्होंने बच्चों को शिक्षा, पालन –पोषण और खेल के माध्यम से सीखने के लिए एक सकारात्मक और समृद्ध वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से इस विद्यालय की शुरुआत की। विद्यालय का आदर्श वाक्य "Hold the world with care and kindness" (दुनिया को देखभाल और दयालुता से थामे रहो) इसकी मूल विचारधारा को दर्शाता है। इस लक्ष्य को साकार करने के लिए विद्यालय पिछले 24 वर्षों से अपनी समर्पित टीम के साथ कड़ी मेहनत कर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उत्कृष्ट शिक्षा विद्यालय का पाठ्यक्रम पूरी तरह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 पर आधारित है। विद्यालय का उद्देश्य शिक्षा को एक सुखद और सार्थक अनुभव बनाना है। आधुनिक शिक्षण उपकरणों, व्यावहारिक परियोजनाओं, इंटरैक्टिव गतिविधियों और अभिनव होमवर्क असाइनमेंट के माध्यम से हम यह सुनिश्चित करते हैं कि छात्र न केवल शैक्षणिक बल्कि जीवन कौशल भी विकसित करें। हमारी शिक्षा प्रणाली साक्षरता, गणनात्मक क्षमता और रचनात्मक सोच को मजबूत करने पर केंद्रित है, ताकि छात्र भविष्य में सफलता प्राप्त करने के लिए पूरी तरह से तैयार रहें। एक समग्र विकास केंद्रित विद्यालय लिटिल किंगडमप्रिपरेटरी स्कूल एक प्रगतिशील, धर्मनिरपेक्ष और बालोन्मुखी सह-शिक्षा विद्यालय है। विद्यालय ने अकादमिक उत्कृष्टता और शैक्षिक नवाचार के लिए अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की है। यहाँ विद्यार्थियों के लिए एक सुरक्षित, खुशहाल और प्रोत्साहित करने वाला वातावरण प्रदान किया जाता है। हम छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान देते हैं, जिसमें शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और सामाजिक कौशल का विकास शामिल है। विद्यालय में छात्रों को सीखने के लिए विभिन्न अवसर दिए जाते हैं, जिससे वे आत्मविश्वासी और कुशल बनते हैं।निदेशक महोदय की प्रेरणादायक यात्रा हमारे विद्यालय के निदेशक श्री हरिंदर सिंह पुरी ने कैंब्रिज से भारतीय स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण की और प्रतिष्ठित शेरवुड कॉलेज, नैनीताल से शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने हिंद फ्लाइंग क्लब, कानपुर से

प्रशिक्षण लिया और भारत सरकार से वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस प्राप्त किया। वर्तमान में वे भारत पेट्रोलियम पेट्रोल पंप, रुद्रपुर (उत्तराखंड) के डीलर हैं साथ में विद्यालय में भी भरपूर योगदान है उनका मानना है कि शिक्षा केवल भविष्य की नौकरी के लिए ज्ञान प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह आजीवन सीखने की एक निरंतर प्रक्रिया है। खेलकूद और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ- हमारा विद्यालय शिक्षा के साथ- साथ छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान केंद्रित करता है। यहाँ खेलकूद और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को विशेष महत्व दिया जाता है। हमारे विद्यालय के खेलकूद कार्यक्रम छात्रों को टीम भावना, नेतृत्व कौशल, अनुशासन और धैर्य सीखने में मदद करते हैं। विद्यालय में निम्नलिखित प्रमुख गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं जैसे राष्ट्रीय खेल दिवस,अंतर- विद्यालय टूर्नामेंट, अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों ने हिमालय बचाओ अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और जागरूकता अभियानों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया। शैक्षणिक और नेतृत्व विकास कार्यक्रम विद्यालय वर्ष में विभिन्न शैक्षणिक और नेतृत्व विकास कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, जिनमें शामिल हैं: अलंकरण समारोह ,विश्व विज्ञान दिवस,विश्व विरासत दिवस,हिंदी सप्ताह समारोह, उत्तराखंड स्थापना दिवस ये कार्यक्रम छात्रों की रचनात्मकता,नेतृत्व क्षमता और सांस्कृतिक जागरूकता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। हमारे विद्यालय को ष्इंडियन स्कूल अवार्ड्सष द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ प्री-स्कूल' का पुरस्कार प्रदान किया गया है। इसके अलावा, हमारे समन्वयक लक्ष्य शर्मा को फ्रंट न्यूज नेटवर्क द्वारा 'अभिव्यक्ति- 2024' प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।साथ ही, हमारे प्ले ग्रुप मेंटर श्रीमती बृजेश ढाका को अमर उजाला द्वारा 'शिक्षा सम्मान पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

हमारा उद्देश्य: खेल आधारित शिक्षा, समग्र विकास, व्यक्तिगत ध्यान, माता- पिता की भागीदारी ,स्वास्थ्य और कल्याण,शैक्षणिक उत्कृष्टता विद्यालय माता-पिता और समुदाय के साथ मिलकर एक पोषणकारी और समृद्ध शिक्षण वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।निष्कर्ष लिटिल किंगडम प्रिपरेटरी स्कूल न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता बल्कि चारित्रिक, सामाजिक और मानसिक विकास पर भी बल देता है। यह विद्यालय छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने के साथ-साथ उन्हें एक सशक्त, आत्मनिर्भर और दयालु नागरिक बनाने का प्रयास कर रहा है।विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों और अनुशासन को प्रोत्साहित करके समाज में एक नई रोशनी फैलाने के लिए संकल्प बद्ध है। वर्तमान में वरिष्ठ प्रशासिका महोदया श्रीमती परविंदर (नीरा) पुरी, प्रधानाचार्या गायत्री खन्ना, उप प्रधानाचार्या सिमरन पुरी, संचालक लक्ष्य शर्मा अध्यापक, अध्यापिकाओं के सफल नेतृत्व में विद्यालय में आयामों को छू रहा है औरहम गर्व के साथ अपने छात्रों की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं और आशा करते हैं कि विद्यालय आने वाले वर्षों में और ऊँचाइयों को छुएगा।

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

वक्फ का 'नया वक्त'

वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में पेश कर दिया गया। उसका पारित होना लगभग तय है। विपक्ष में जो दल मान रहे थे कि तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल-यू, एलजेपी (रामविलास) और रालोद सरीखे धर्मनिरपेक्ष दल भाजपा के वक्फवादी एजेंडे को रोक सकते हैं, वे अब निराश होंगे, क्योंकि इन दलों ने वक्फ बिल पर भाजपा को समर्थन देने की घोषणाएं की हैं। चंद्रबाबू नायडू, नीतीश कुमार, चिराग पासवान आदि ने जो संशोधन दिए थे, मोदी सरकार ने उन्हें बिल में समाहित कर लिया है। इस बिल के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने बहुमत का शक्ति-परीक्षण भी साबित कर दिया है। साथ में 'ध र्मनिरपेक्षता' की परिभाषा भी बदल दी है। चूंकि भाजपा के इन सहयोगी दलों का अच्छा-खासा मुस्लिम जनाधार है, फिर भी उन्होंने वक्फ बिल पर मोदी सरकार को समर्थन दिया है। मुसलमानों का समर्थन लेना और उन्हें समर्थन देना ही 'धर्मनिरपेक्षता' नहीं है। अब भाजपा-समर्थक भी धर्मनिरपेक्ष हैं। वक्फ बिल के संदर्भ में यह गौरतलब तथ्य है कि 2013 में कांग्रेस और भाजपा ने संसद में कुछ संशोधन पारित कराए थे। किसी भी दल ने वक्फ कानून में उन संशोधनों का विरोध नहीं किया था। तब भाजपा की ओर से शाहनवाज हुसैन और मुख्तार अब्बास नकवी सरीखे सांसदों ने संशोधनों का सत्यापन भी किया था। 2019 तक वक्फ की तमाम संपत्तियों का जब डिजिटलीकरण किया गया, तब भी भाजपा का सहयोग रहा। 2013 में केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी और ऑनलाइन रिकॉर्ड बनाने के दौरान मोदी सरकार थी। वक्फ कानून 1954 में बना, लेकिन 1955 और 1995 में भी संशोधन पारित किए गए। हर बार केंद्र में कांग्रेस सरकार थी। अब मौजू सवाल यह है कि वक्फ कानून का पुराना वक्त खत्म क्यों माना जा रहा है और नए वक्त की जरूरत क्या और क्यों है? करीब 9.4 लाख एकड़ जमीन और 8.72 लाख संपत्तियों के मालिक वक्फ बोर्ड की कानूनन जवाबदेही और पारदर्शिता अनिवार्य है। इतनी व्यापक मिल्कीयत बेहिसाबी नहीं रखी जा सकती। यही संवैधानिक स्थिति है। ओवैसी सरीखे मुस्लिम सांसद और असंख्य मौलाना, मुफ्ती प्रस्तावित बिल की जो व्याख्या करते आ रहे हैं, वह कमोबेश भारत में संभव नहीं है। किसी भी समुदाय के मौलिक अधिकारों पर कोई प्रहार नहीं किया जा सकता। यही भ्रम 'नागरिकता संशोधन बिल' के दौरान भी फैलाया गया था। क्या किसी एक भी भारतीय मुसलमान की नागरिकता छिनी या उन्हें हिरासत-केंद्र में कैद किया गया? ओवैसी की जमात इन सवालों पर खामोश रहती है। दरअसल वक्फ बोर्ड किसी भी संदर्भ में निरंकुश नहीं हो सकता। किसी भी संपत्ति पर वह उंगली रख दे, वह वक्फ बोर्ड की नहीं हो सकती। संशोधन बिल में 'ध र्मपरिवर्तन' सरीखे प्रावधान भी जोड़े गए हैं। यदि किसी को मुसलमान बने अथवा इस्लाम धर्म कबूल किए 5 साल नहीं हुए हैं, तो वह अपनी संपत्ति 'वक्फ', यानी अल्लाह के नाम दान, नहीं कर सकेगा। इससे 'धर्मपरिवर्तन' की स्थिति भी साबित हो सकेगी। यह भी कानूनी मामला है। किसी शख्स के नाम पंजीकृत जमीन को ही वक्फ किया जा सकता है। सबसे अहम बदलाव यह होगा कि वक्फ बोर्ड की संपत्तियों और उनके खातों का ऑडिट भी होगा। यह केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकार-क्षेत्र में होगा। यह साफ करना जरूरी है कि वक्फ बोर्ड धार्मिक नहीं, प्रशासनिक निकाय है। संसद संशोधन कर सकती है।

चौबटिया उद्यान में लिए किये कई बदलाव

अल्मोड़ा। चौबटिया के उद्यान में सतत और सुरक्षित पर्यटन को सुनिश्चित करने के लिए कुछ सकारात्मक बदलाव किए गए हैं ।बदलाव विभिन्न समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए किए गए हैं । चूँकि पर्यटन सीजन का प्रारंभ हो गया है और भी प्रभावित ना हों ।पर्यटन के साथ साथ हमारी यह भी जिम्मेदारी है कि इसके प्राकृतिक स्वरूप का संरक्षण किया जाए । लंबे समय तक पर्यटन का आकर्षण बने रहने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी आवश्यक है । चौबटिया में उद्यान के तहत सड़क कि वहन क्षमता इतनी नहीं है कि वह अत्यधिक वाहनों के दबाव को झेल सके । इसलिए उद्यान में किसी संभावित दुर्घटना से बचने हेतु वाहनो की आवाजाही को नियंत्रित किया गया है । इसके साथ ही उद्यान में मौसम उद्यान के बाहर गई है। किंतु वरिष्ठ जनों और विशेष रूप से अक्षम व्यक्तियों हेतु वाहन की अनुमति है ।इसके साथ ही अत्यधिक व्यस्त रहने वाले दोनों गेट पर सुबह 6 बजे से शाम के 6 बजे तक गार्ड की व्यवस्था की है ताकि पर्यटन का

रानीखेत आने वाले पर्यटकों के लिए चौबटिया उद्यान एक प्रमुख आकर्षण है। उद्यान से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि यह रानीखेत की पहचान का एक हिस्सा है । इसे देखते हुए यह हम सबकी साझा जिम्मेदारी है कि यहाँ आने वाले पर्यटकों के लिए यह अविस्मरणीय अनुभव बने साथ ही साथ स्थानीय निवासियों के हित उद्यान की अधीक्षक गरिमा तिवारी ने बताया कि बीते दिनों मीडिया के माध्यम से यह ज्ञात हुआ कि संवाद की कमी के कारण कुछ पर्यटकों को असुविधा का सामना करना पड़ा । उन्होंने बताया कि पर्यटकों की सुविधा के दृष्टिगत उद्यान के संचालन एवं पार्किंग आदि के नियमों में कुछ बदलाव किए गए हैं।वर्तमान समय विभाग का निगरानी सिस्टम भी लगा हुआ है जिसकी सुरक्षा करनाभी आवश्यक है । यहाँ पर मौजूद जर्मप्लाज्म की सुरक्षा करना अत्यंत आवश्यक है ताकि जैवविविधता जो कि हमारे पर्यटन का आधार है वह सुरक्षित रहे । उन्होंने बताया कि उद्यान आने वाले पर्यटकों के वाहनों हेतु पार्किंग की उचित व्यवस्था अनुभव सुरक्षित और आनंदमय रहे । अन्य सभी समस्याओं के निराकरण हेतु भी हम लगातार प्रयास कर रहे हैं।यह सभी परिवर्तन पर्यावरण, पर्यटन एवं स्थानीय हितों के सही पहलुओं को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं । उन्होंने पर्यटकों से उद्यान आने की अपील की है कि गार्डन के सौंदर्य को निहारने जरूर आएं।

डीएम ने की पॉलिटेक्निक संस्थानों के कार्यों की समीक्षा

अल्मोड़ा (उद संवाददाता)। जनपद के सभी पॉलिटेक्निक संस्थानों के कार्यों तथा उनके माध्यम से दी जा रही तकनीकी शिक्षा के संबंध में संस्थानों के अधिकारियों के साथ जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय ने बैठक कर समीक्षा की। इस दौरान जिलाधिकारी ने सभी संस्थानों में कार्यरत स्टाफ, बच्चों की संख्या, संस्थानों में संचालित किए जा रहे व्यावसायि एवं तकनीकी पाठ्यक्रमों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधि कारियों को निर्देश दिए वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा रोजगार का बहुत बड़ा माध्यम है। इन संस्थानों की स्थापना भी इस उद्देश्य से की गई कि बच्चे अच्छी तकनीकी शिक्षा ग्रहण करें एवं रोजगार

प्राप्त करें। जिलाधिकारी ने कहा कि पढ़ाई की गुणवत्ता को बढ़ावा दिया जाए। बच्चों को आधुनिक तकनीकों से रूबरू कराए हुए पाठ्यक्रमों का संचालन किया जाए। जिलाधिकारी ने संस्थानों के संचालन में आ रही समस्याओं को भी जाना तथा उनके निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शाशनी, प्रिंसिपल महिला पॉलिटेक्निक अल्मोड़ा रेखा असवाल, प्रिंसिपल जैंती पॉलिटेक्निक संजय कुमार, प्रिंसिपल मल्ला सालम पॉलिटेक्निक प्रजापति पलहड़िया समेत अन्य अधिकारी रहे।

घुसपैठियों के लिए आसान लांचिंग पैड नेपाल बॉर्डर के मदरसे

पड़ोसी राज्य नेपाल, भारत और चीन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है।वैसे तो नेपाल के भारत से हमेशा प्रगाण संबंध रहे हैं,लेकिन पिछले कुछ वर्षो में चीन की भी दखलंदाजी वहां बढ़ी है। चीन के कई प्रोजेक्ट नेपाल में चल रहे हैं। भौगालिक रूप से देखा जाये तो चीन और नेपाल की सीमा 1439 किलोमीटर लम्बी है। वहीं भारत और नेपाल की सीमा की लम्बाई 1751 किलोमीटर है। यह सीमाएं उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम से जुड़ी हुई हैं। सबसे लम्बी सीमा 726 किलोमीटर बिहार से उसके बाद उत्तर प्रदेश से 551 और उत्तराखंड से 275 किलोमीट और पश्चिमी बंगाल से 100 एवं सिक्किम से 99 किलोमीटर तक जुड़ी हैं। कभी यह सीमाएं लगभग पूरी तरह से खुली रहती थीं, लोग आसानी से बिना वीजा और पासपोर्ट के एक-दूसरे देशों में आ जा सकते थे। दोनों देशों के बीच व्यापार करने पर भी कोई प्रतिबंद्ध नहीं था,लेकिन अब हालात काफी बदल गये हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अब इन सीमाओं को लांघकर अराजक तत्व और आतंकवादी ताकतें भी भारत में प्रवेश करने लगी हैं। सीमा खुली होने का फायदा उठाकर पाकिस्तानी, बांग्लादेशियों सहित कई देशों के घुसपैठियें और आतंकवादी भारत में आते हैं और यहां आतंक फैलाते हैं। यही वजह है नेपाल और भारत के बीच की सीमा क्षेत्र में सुरक्षा के मुद्दे को लेकर पिछले कुछ सालों में खासी चिंता देखी गई है। सबसे खास बात यह है कि इन घुसपैठियों और आतंकवादियों के लिये भारत-नेपाल के बार्डर के बार्डर पर बने मदरसे सुरक्षित ठिकाना बन कर उभर रहे हैं। कई मदरसों के तार भारत विरोधी ताकतों के साथ जुडे हुए हैं। नेपाल की सीमा से सटे इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना और आतंकवादियों का घुसपैठ करने का प्रयास स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा रहा है। खासकर, 28 फरवरी को काठमांडू में हुई हिंसा ने इस क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है।यह हिंसा सिर्फ नेपाल तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि भारत में भी सुरक्षा के लिहाज से इसे गंभीर माना जा रहा हैं। नेपाल सीमा के पास रहने वाले एक पूर्व शिक्षक का कहना है कि हाल के दिनों में सरहदी क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना चिंताजनक है। उनका मानना है कि पाकिस्ताान और चीन द्वारा नेपाल सीमा को घुसपैठियों का लॉन्चिंग पैड बनाने की साजिश चल रही है। उनका यह भी कहना है कि कुछ मजहबी शिक्षण संस्थानों में भारत से भागने वाले कुख्यात अपराधियों से लेकर भारत में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को भी शरण मिल रही है। बीते फरवरी महीने में सीमा से बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा गया था, जिसे नेपाली मदरसे में शरण मिली थी। यह घटना यह साबित करती है कि नेपाल में कुछ जगहें आतंकवादी गतिविधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन चुके हैं। नेपाली सुरक्षा एजेंसी की रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि बांग्लादेश के एक आतंकवादी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन के आतंकवादी को नेपाल के सीमा क्षेत्र में पनाह दी गई थी। इसी तरह, अलकायदा इन इंडियन सब कांटिनेंट (एक्यूआईएस) जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन भी नेपाल के बदलते हालात का फायदा उठा सकते हैं। इन संगठनों का लक्ष्य भारत में घुसपैठ कर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देना हो सकता है। इस संदर्भ में पूर्व आईबी अधिकारी प्रवीण गर्ग का कहना है कि काठमांडू में जो हिंसा हुई, वह नेपाल में राजाबादी आंदोलन को बदनाम करने की एक

साजिश हो सकती है। उनके अनुसार, बांग्लादेश को अस्थिर करने के बाद, पाकिस्तान और चीन के सुरक्षा एजेंसियां नेपाल को भी अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। इन दोनों देशों की खुफिया एजेंसियों की नेपाल में सक्रियता इस संभावना को और मजबूत करती है। खासकर इस साल की शुरूआत से इन दोनों देश की एजेंसियों की भारत से सटे नेपाली क्षेत्र में बढ़ी सक्रियता एक गंभीर चिंता का विषय है। चौकाने वाली बात यह भी है कि जो नेपाल कुछ वर्षो तक हिन्दू राष्ट्र होता था,वहां अब शरिया कानून की मांग भी उठने लगी है, जो कि पहले नेपाल के मुसलमानों के लिए एक दूर का ख्वाब था। लेकिन अब इसे संसद में कुछ मुस्लिम सांसदों द्वारा उठाया गया है, जो इसे नेपाल के लिए एक नई राजनीतिक दिशा के रूप में देख रहे हैं। वैसे मुस्लिमों की बढ़ती आबादी और शरिया कानून की वकालत के बीच हिन्दू संगठन भी एक बार फिर से नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की वकालत करने लगे हैं। हालांकि, राजनीति के कई जानकार नेपाल में शरिया कानून की मांग को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस द्वारा प्रायोजित किया हुआ कदम बता रहे है, जो नेपाल को राजनीतिक रूप से अस्थिर करने की साजिश का हिस्सा है। नेपाली सीमा पर बढ़ रही इन आतंकी गतिविधियों की ओर इशारा करते हुए आंकड़े भी सामने आए हैं, जो यह साबित करते हैं कि भारत में आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयास बढ़े हैं। बात बार्डर पर चल रहे मदरसों की आतंकवादी गतिविधियों में लिप्तता की कि जाये तो इसके कई केस मिल जाते हैं। इसी वर्ष के शुरूआती महीनों में मटर-ध मऊर क्षेत्र के पिलर संख्या 501-6 के पास से एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया था, जिसे मदरसा मदीनतुल में शरण मिली थी। इसी तरह, 2024 में हिजबुल मुजाहिद्दीन के तीन आतंकवादी गिरफ्तार हुए थे, जो नेपाली सीमा के पास स्थित एक मदरसे में ठहरे हुए थे। 2020 में पापलुर फ्रंट ऑफ इंडिया के एक ट्रेनिंग कमांडर राशिद को गिरफ्तार किया गया था, जो नेपाल सीमा से सटे मदरसे में सक्रिय था। इस तरह की घटनाएं यह साबित करती हैं कि नेपाल सीमा पर आतंकवादियों की सक्रियता बढ़ रही है, और सुरक्षा एजेंसियों को इसके प्रति सजग रहने की आवश्यकता है।इसके लिये मदरसों के भी पेंच कसना जरूरी है। गौरतलब हो, सुरक्षा एजेंसियों के पास भी नेपाल सीमा से जुड़ी एक लंबी सूची है, जिसमें विभिन्न आतंकवादियों की गिरफ्तारी का जिक्र है। 2015 में पाकिस्तानी वैज्ञानिक डॉ. जावेद को सोनौली बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया था, जो नेपाल में ठहरे हुए थे। 2013 में आतंकवादी अब्दुल करीम टुंडा को नेपाल से भारत में घुसने की कोशिश के दौरान पकड़ा गया था, और इसी साल यासीन भटकल भी गिरफ्तार हुआ था। यही नहीं, 2010 में बढ़नी बॉर्डर से इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकवादी सलमान उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया गया था, जो एक नेपाली मदरसे में पनाह लिए हुए था। यह घटनाएं दर्शाती हैं कि नेपाल से घुसने वाले आतंकवादियों की संख्या समय के साथ बढ़ी है और सुरक्षा एजेंसियों को इस पर गंभीर ध्यान देने की आवश्यकता है। इसी के चलते भारतीय सुरक्षा बलों ने नेपाल से सटी सीमा पर गश्त बढ़ा दी है और इन क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उच्च तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि, नेपाल में इन आतंकवादियों की गतिविधियों को लेकर पूरी तरह से नियंत्रण पाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि नेपाल के अंदर भी कई मदरसे और धार्मिक संस्थान आतंकवादी गतिविधियों के लिए सुरक्षित ठिकाने बन चुके हैं। इन आतंकवादी समूहों के पास न सिर्फ भारतीय बल्कि नेपाली क्षेत्र में भी अपनी जड़ें फैलाने की क्षमता है,जो दोनों ही मुल्कों के लिये बड़े खतरे का संकेत है। समय रहते नेपाल सरकार ने सख्त कदम नहीं उठाये तो दिन पर दिन हालात और भी खराब होते जायेगे। ऐसे में यह महत्वपूर्ण है कि नेपाल और भारत दोनों देश मिलकर सीमा पर सुरक्षा उपायों को और मजबूत करें और आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करें। अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि नेपाल सीमा पर बढ़ती आतंकी गतिविधियों और घुसपैठ के प्रयासों के बीच दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच समन्वय और सक्रियता बढ़ाने की आवश्यकता है। साथ ही,नेपाल को अपने आंतरिक सुरक्षा उपायों को भी मजबूत करना होगा ताकि वह आतंकवादियों की गतिविधियों को अपनी सीमा से बाहर रख सके और भारतीय क्षेत्र में उनकी घुसपैठ को रोका जा सके। यह दोनों देशों की सुरक्षा और शांति के लिए आवश्यक है।

-संजय सक्सेना

राष्ट्रीय एकता को बनाए रखना सबकी जिम्मेदारी: राज्यपाल

देहरादून (उद संवाददाता)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने बुधवार को हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय सैनिक संस्था की हरिद्वार इकाई एवं अखण्ड हिन्द फौज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान अखण्ड हिन्द फौज के छात्र-छात्राओं द्वारा परेड एवं झांकी का प्रदर्शन किया गया। राज्यपाल ने अखण्ड हिन्द फौज में बालिकाओं की उपस्थिति और ड्रिल और परेड में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने पर प्रशंसा व्यक्त की। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय सैनिक संस्था द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण और चरित्र निर्माण, समाज से बुराइयों के उन्मूलन, शहीद परिवारों के कल्याण, पूर्व सैनिकों के सशक्तीकरण, नशे और ड्रग्स जैसी बुराइयों को मिटाने, शिक्षा के जरिए नैतिक मूल्यों का विकास और राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने के लिए किए जा रहे कार्य सराहनीय हैं। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय एकीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था गौरव सेनानियों और देशभक्त नागरिकों को एकता के सूत्र में बांधकर राष्ट्र प्रथम की भावना को मजबूती प्रदान कर रही है। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि का आधार उसकी एकता और अखंडता में निहित है। हमारी विविधता हमारी शक्ति है, और जब हम सभी एक सूत्र में बंधकर 'राष्ट्र प्रथम' की भावना को अपनाते हैं। एकता की भावना से देश को अजेय बनाया जा सकता है, और हम तभी विकसित भारत के संकल्प को पूरा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमें जाति, धर्म, भाषा और क्षेत्रीय भेदभाव से ऊपर उठकर एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने युवाओं में शिक्षा, नवाचार, विज्ञान, तकनीक और सामाजिक सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने की बात कही। कहा कि जब हम किसी भी कार्य में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे, तभी भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। राज्यपाल ने छात्र- छात्राओं से नशे और ड्रग्स जैसी बुराइयों को मिटाने, शिक्षा के माध्यम से नैतिक मूल्यों का विकास करने और राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों से अपील की। कहा कि देश के सभी नागरिकों का कर्तव्य है कि हम अपनी एकता को और मजबूत करें, समाज में समरसता और सौहार्द बनाए रखें तथा देश के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष कर्नल टी.पी. त्यागी (रि.) सहित संस्था के पदाधिकारी एवं अनेक गौरव सेनानी उपस्थित रहे।

स्कूलों में बांग्ला भाषा पढ़ाए जाने के अभियान का हुआ शुभारंभ

शक्तिफार्म(उद संवाददाता)। बांग्ला भाषा को प्रत्येक प्राइवेट विद्यालय में पढ़ाए जाने का संकल्प लिए बंगाली कल्याण समिति अध्यक्ष राम चन्द्र राय और नगरपंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल शक्तिफार्म परिक्षेत्र के प्रत्येक विद्यालय के प्रबंधक से मिलकर मातृ भाषा को पढ़ाने की अपील करते हुए बैकुंठपुर में संचालित राइजिंग स्टार पब्लिक स्कूल के प्रबंधक गोविंद सरकार को बांग्ला भाषा की पुस्तके एवं श्रीमद्भगवद् गीता ग्रंथ सौंपकर इस मुहिम का शुभारंभ किया। विद्यालय प्रबंधन समिति ने बांग्ला भाषा को अपने विद्यालय में प्रतिदिन पढ़ाए जाने की घोषणा करते हुए अन्य प्राइवेट विद्यालय प्रबंधक से भी इस मुहिम को समर्थन देने की अपील की। बंगाली कल्याण समिति अध्यक्ष राम चन्द्र राय ने कहा कि अप्रैल माह से लेकर जुलाई माह तक उत्तराखंड के बंगाली बाहुल्य क्षेत्र के प्रत्येक विद्यालय के प्रबंधक समिति अध्यक्ष से बातचीत कर विद्यालय में बांग्ला भाषा पहुंचाई जाएंगी जिससे हमारी मातृ भाषा, संस्कृति, साहित्य ,कला का उत्थान हो ।नगरपंचायत शक्तिफार्म अध्यक्ष सुमित मंडल ने इस मुहिम को समर्थन देते हुए तन, मन,,धन से बंगाली कल्याण समिति को हर संभव मदद करने की घोषणा की कहा कि बांग्ला हमारी मातृ भाषा है मातृ भाषा को जीवित रखना हमारा परम कर्तव्य है।इस दौरान प्रबंधक समिति के अध्यक्ष गोबिंद सरकार ,सुमित सरकार,रवींद्र सिंह,सुजीत गोल्डर, सुखलाल बाला,तरुण बैरागी, राहुल कनौजिया ,सुभाष सरकार,आनंद राय,किशोर कुमार,सुब्रत विश्वास,प्रदीप चक्रवर्ती,रिंकी मंडल आदि मौजूद थे।

राशन की कालाबाजारी में दो डीलरों को कोर्ट ने सुनाई सजा

हल्द्वानी (उद संवाददाता)। शहर में राशन की कालाबाजारी/भंडारण करने वाले दो अभियुक्तों को सीजेएम नैनीताल ने चार चार वर्ष का सश्रम कारावास और पचास पचास हजार का जुर्माना की सजा सुनाई है। नैनीताल के मुख्य न्यायिक मैजिस्ट्रेट रवि प्रकाश शुक्ल के न्यायालय से बुधवार को जारी एक आदेश में मो. अहमद श्गुड्ढ्श और जावेद को 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत दोषसिद्धि का आदेश दिया गया है। मामले के अनुसार हल्द्वानी के पूर्ति निरीक्षक रवि सनवाल ने 27 जनवरी 2021 को बनभूलपुरा थाने में तहरीर देकर कहा था कि मुखबिर खास की सूचना पर उन्होंने पुलिस बल समेत गौजाजाली क्षेत्र में सरकारी गेहूं/चावल की काला बाजारी और अवैध भंडारण की सूचना पर छापा मारा। शाम 7:15 बजे प्रवर्तन दल ने पिक अप संख्या यू.के.04 सी.ए.0367 में कुछ चावल के कट्टे भरे पाए। जिन्हें लेबर द्वारा सामने ही मो. अहमद श्गुड्ढ्श के घर पहुंचाया जा रहा था।अचानक पुलिस को देखकर लेबर और वाहन चालक भाग निकले, जिन्हें पकड़ा नहीं जा सका। घर के अंदर से 20 जबकि वाहन से 28 कट्टे सरकारी चावल और 8 कट्टे सरकारी गेहूं बरामद हुआ। ये चावल और गेहूं सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत आम कार्ड धारकों को वितरित किये जाने के लिए आवंटित किया जाता है। घर में मौजूद सदस्यगणों से राशन के कागजात दिखाने और मो. अहमद श्गुड्ढ्श को बुलाने को कहा गया तो न ही वो कागजात दिख सके और न ही मो. अहमद श्गुड्ढ्श आया। पुलिस और खाद्यान विभाग ने सामान और वाहन को जब्त कर बनभूलपुरा थाने में मुकदमा दर्ज कर दिया। 12 सितंबर 2022 को मो. अहमद श्गुड्ढ्श और जावेद ने आत्मसमर्पण किया। इन्हें उसी दिन जमानत मिल गई। मामले में उप निरीक्षक संजय बोरा के अन्वेषण के बाद मो. अहमद श्गुड्ढ्श व जावेद के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य पाते हुए आरोप पत्र (चार्ज शीट) सी.जे.एम. न्यायालय में प्रस्तुत की गई।आरोप विरचित होने के बाद अभियुक्तगण ने दोषी होने का अभिवचन करने से इनकार किया और विचारण चाहा।सीजेएम न्यायालय ने दोषसिद्धगण मो.अहमद श्गुड्ढ्श व जावेद को उनके खिलाफ लगाई गई धारा 3/7 आवश्यक वस्तु अधिनियम में दोषसिद्ध किया है। इसमें दोनों को 4-4 वर्ष का सश्रम कारावास व पचास पचास हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया है। मामले में अभियोजन अधिकारी श्रद्धा रावत रही।

अटरिया मेले के लिये राठौर को बनाया मीडिया प्रभारी

रुद्रपुर। प्राचीन अटरिया माता मन्दिर में लगने वाले मेले की तैयारिया शुरू हो गई है। 5 अप्रैल को प्रातः 11 बजे अटरिया माता का डोला अटरिया मंदिर को प्रस्थान करने के साथ ही अटरिया मेल का शुभारम्भ हो जायेगा। यह जानकारी देते हुये श्री अटरिया देवी वेष्णो धर्म सभा (रजि.) की अध्यक्ष व महंत पुष्पा देवी व सचिव अरविंद शर्मा ने वरिष्ठ पत्रकार नरेन्द्र राठौर को अटरिया मेले का मीडिया

प्रभारी नियुक्त किया है। महंत पुष्पा देवी ने बताया कि हर वर्ष की भाती इस वर्ष भी अटरिया मेला बहुत धूमधाम से लगाया जा रहा है। अटरिया माता का डोला 5 अप्रैल को प्रातः 11 बजे रम्पुरा से जगतपुरा अटरिया मंदिर को प्रस्थान करेगा। मेले को लेकर तैयारियां जोरो पर चल रही है। सचिव अरविंद शर्मा ने बताया कि पत्रकार नरेन्द्र राठौर को मेले के मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौपी गयी है। वही श्री राठौर ने महंत पुष्पा देवी, सचिव अरविन्द शर्मा व अन्य मेला प्रबंधक कमेटी का आभार जताया है। इस अवसर पर सह प्रबंधक पंकज गौड़, दीपा शर्मा,सुनीता शर्मा,वीरेन्द्र शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।(व्यावसायिक)

ग्रामों में शराब की दुकानें खोले जाने के खिलाफ फूंका पुतला

रामनगर (उद संवाददाता)। प्रदेश सरकार द्वारा नई आबकारी नीति के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में शराब की दुकानें खाले जाने के खिलाफ लखनपुर चौराहे पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश की भाजपा सरकार का पुतला फूंक कर मुख्यमंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। रोषित कार्यकर्ताओं का कहना है कि आबकारी नीति के तहत रामनगर विधानसभा के ग्रामीण क्षेत्र पाटकोट, छोई,

हाथीडगर और ढिकुली क्षेत्र में शराब की नई दुकान आवंटित की गई हैं। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुमित लोहनी ने बताया प्रदेश सरकार द्वारा शराब की नई आबकारी नीति के तहत नई शराब की दुकान खोली जा रही है उसका युवा कांग्रेस विरोध करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार व अच्छी शिक्षां देने के स्थान पर नशे के दलदल में धकेलना का काम कर रही है। उन्होंने कहा अगर शराब की नई दुकान ग्रामीण क्षेत्रों में खोली जाती है तो प्रदेश सरकार के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जाएगा। पुतला दहन कार्यक्रम में कई कार्यकर्ता रहे।

30 अप्रैल को खुलेंगे यमुनोत्री धाम के कपाट

उत्तरकाशी (उद संवाददाता)। चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव यमुनोत्री के कपाट खुलने की तिथि घोषित कर दी गई है। अक्षय तृतीय पर मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे । चारधाम के पहले प्रमुख पड़ाव यमुनोत्री के कपाट 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इससे पूर्व मां यमुना की डोली अपने शीतकालीन प्रवास खरसाली से सुबह आठ बजे यमुनोत्री धाम के लिए रवाना होगी। यमुना जयंती के अवसर पर यमुना मंदिर परिसर खरसाली गांव में कपाट खुलने का समय लग्न निकाला गया, जिसके अनुसार 30 अप्रैल को 11.55 रोहिणी नक्षत्र सिद्ध योग शुभ लग्न पर यमुना मंदिर के कपाट खोले जाएंगे। मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल ने बताया कि इससे पहले सुबह 8 बजकर 28 मिनट पर खरसाली गांव से मां यमुना की डोली यमुनोत्री धाम के लिए स्थानीय वाद्य यंत्रों के साथ रवाना होगी उनको विदा करने उनके भाई शनिदेव महाराज की डोली भी यमुनोत्री धाम जाएगी। इस अवसर पर मंदिर समिति के सचिव सुशील उनियाल गौरव उनियाल, संजीव उनियाल प्रदीप उनियाल , कुलदीप,गौरव श्रवण,ममलेश, के शीतकालीन पुजारी पंकज उनियाल शेखर उनियाल भी मौजूद थे

पेज एक का शेष...

राज्यपाल कल... करेगें। महामहिम 2.25 बजे पंतनगर विश्वविद्यालय से प्रस्थान कर पंतनगर एयरपोर्ट पहुंचेगें, जहा से महामहिम 2.35 बजे हवाई मार्ग से देहरादून के लिए प्रस्थान करेगें।

शक्ति नहर में....सुरेश तोमर ने बताया, "कार में कुल पांच लोग सवार थे, जिनमें से चार लोग सुरक्षित बाहर निकल गए थे। वहीं, एक महिला कार में फंसी रह गई, जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। शव को मुख्य मार्ग तक लाकर जिला पुलिस को सौंपा गया।" यह हादसा शक्ति नहर के पास हुआ, जहां स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला और आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया।

चोरों ने दिनदहाड़े फोटो....अज्ञात चोर एक लैपटॉप, एलईडी, कंप्यूटर का सीपीयू सहित गल्ले से तीन हजार रुपए की नगदी चुरा कर ले गए। दुकान स्वामी ने इसकी सूचना मुखानी थाना पुलिस को दी। पुलिस ने चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी कैमरे एक कैमरे की फुटेज खंगाली जिसमें चोर चोरी करते हुए दिखाई दिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी विजय मेहता का कहना है कि जल्द ही चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

ऊर्जा निगम की छापेमारी, मचा हड़कंप

दिनेशपुर(उद संवाददाता)।चंडीपुर गांव में ऊर्जा निगम ने कैंप लगाकर सात लाख रुपये राजस्व वसूला है। बिल जमा न करने वाले 45 बकायेदारों के कनेक्शन काटे गए हैं। बुधवार को दिनेशपुर के चंडीपुर कालीनगार गांव में राजस्व वसूली के लिए ऊर्जा निगम की ओर से कैंप लगाया गया। कैंप के दौरान बकायेदारों ने सात लाख रुपये राजस्व वसूला। बिल जमा न करने वाले 45 उपभोक्ताओं के कनेक्शन भी काटे गए हैं। छतरपुर विद्युत उपकेंद्र पर तैनात जेई अफसान कुमार ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं के पास बिजली का बिल बकाया है वह जल्द जमा कर दें। यदि बिल जमा नहीं करते हैं तो उनका कनेक्शन काट दिया जाएगा। शिविर में अधीक्षण अभियंता शेखर त्रिपाठी, उपखंड अधिकारी संजय कुमार, अधिशासी अभियंता उमाकांत चतुर्वेदी, अवर अभियंता अफशान सैफी, आदि मौजूद रहे।

बीस सूत्रीय कार्यक्रम में जनपद उधमसिंह नगर फिर अव्वल

रूद्रपुर (उद संवाददाता)।बीस सूत्रीय कार्यक्रम में जनपद उधमसिंह नगर गवतर्ष से प्रदेश में लगातार प्रथम पायदान पर बना हुआ है। जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के जनवरी माह में बीस सूत्रीय कार्यक्रम में जनपद उधमसिंह नगर प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा है। जलाधिकारी नितिन भदौरिया ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में बीस सूत्रीय कार्यक्रम में प्रथम आने पर सभी अधिकारियों को बधाई देते हुये इस वित्तीय वर्ष में भी बीस सूत्रीय कार्यक्रम में प्रथम श्रेणी बनाये रखने के निर्देश दिये है। उन्होने बताया कि बीस सूत्रीय कार्यक्रम के 42 मदो में जनपद 34 कार्यक्रमो में ए श्रेणी, 06 कार्यक्रमों में बी श्रेणी, 01 कार्यक्रम में सी श्रेणी व 01 कार्यक्रमों में डी श्रेणी प्राप्त की है। उन्होने सभी अधिकारियों को सभी कार्यक्रमों में ए श्रेणी में लाने के निर्देश दिये है। बीस सूत्रीय कार्यक्रम में प्रदेश के 13 जनपदो में उधमसिंह नगर प्रथम, बागेश्वर द्वितीय व चम्पावत जनपद तृतीय स्थान पर रहा।

संस्थापक-स्व० हरनामदास सुखीजा एवं स्व०तिलकराज सुखीजा
स्वामित्वाधिकारी,प्रकाशक एवं मुद्रक परमपाल सुखीजा द्वारा उत्तरांचल दर्पण पब्लिकेशन्स, श्याम टाकीज रोड,रुद्रपुर,ऊधमसिंहनगर(उत्तराखण्ड)से मुद्रित एवं प्रकाशित
सम्पादक- परमपाल सुखीजा
आरएनआई नं.: UTTHIN/2002/8732 समस्त विवाद रूद्रपुर न्यायालय के अधीन होंगे।
E-mail-darpan.rdr@gmail.com,www.uttaranchaldarpan.in
फोन-245886(O)245701(Fax),9897427585,9897427586(Mob.)

ऐना दिता दातिये नजारे लगे होए ने...

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। चैत्र नवरात्र के उपलक्ष में पंचम नवरात्र पर प्रमोद मित्तल और मनीष मित्तल के परिवार की ओर से श्री नीलकंठ धाम मंदिर में माता की चौकी एवं दरबार सजाया गया। गंगापुर रोड स्थित श्री नीलकंठ मंदिर धाम में शुरू हुई माता की चौकी और दरबार में सर्वप्रथम ज्योत प्रज्जवलित कर श्री गणेश वंदना,श्री राम स्तुति, हनुमान चालीसा, श्री बालाजी महाराज, श्री भैरवनाथ और श्री प्रेतराज की आरती के साथ शुरू हुए दरबार में माता रानी, भोलेनाथ बालाजी महाराज के सुंदर-सुंदर भजन का गुणगान कर उपस्थित भक्तों को झूमने नाचने पर मजबूर कर दिया। दरबार में भजन गायक भजन गायक संजीव शर्मा ने लंका को राख ढेर कर डाला.. ,वो है अंजनी का लाला.., सुमित वार्ष्णेय ने मईया तेरी चुन्नी नु सितारे लग्गे होए ने,ऐना दिता दातिये नजारे लगे होए ने. .,आओ चले अमरनाथ सारे भोले बाबा

के द्वारे...,मास्टर बॉबी ने दे चरना दा प्यार.., भोले दी बारात... ,माँ दियाँ दुआवां मेरे नाल ने ...,विनीत अरोरा ने लगा दे मोर छड़ी का झाड़ा..,पवन खनिजो ने तुम ना सुनोगे तो कौन सुनेगा. .,वंशिका मनोचा ने खड़ खड़ खंडा वज्जे मात मेरी काली दा..आदि सुंदर भजनों से माहौल को भक्तिमय बना दिया। दरबार में महंत विकास शर्मा पर आई भोले बाबा, माता रानी और बाला जी महाराज की शक्तियों भक्तों ने आशीर्वाद प्राप्त कर सुख शांति की कामना की। छठे नवरात्रि के शुभ अवसर पर आज रात्रि समाजसेवी रविंद्र वार्ष्णेय के परिवार की ओर से माता की चौकी एवं दरबार का आयोजन किया जाएगा। दरबार में सचिन खुराना, सीए करुण गुप्ता,पम्मी सुखीजा, भरत शाह,जगदीश बठला, विवेक दीप सिंह, सुनील ठुकराल, पारस चुघ,अमित अरोड़ा बॉबी, हरीश अरोड़ा,हरवेश मनोचा, संदीप मनोचा, ललित नारंग, दीपक पुंशी,हरजीत राठी, पवन खनिजों, पवन रंगीला, सुशील नारंग, समीर गौड,मोहित अरोड़ा, विजय तोमर, दीपक शर्मा,राजीव मनोचा,अनुज शर्मा,रोहित मदान, देवेंद्र गिरी,मुकेश शर्मा,चंदन सक्सेना, अमन खुराना,राघव बठला ,गौरव खुराना, सोनू,संदीप वाल्मीकि, मुकेश भटनागर, काशीराम, रवींद्र वार्ष्णेय, मीना वार्ष्णेय, यशी वार्ष्णेय ,सीमा नारंग, संगीता बठला, कुसुम जग्गा, सिमरन बठला, कंचन नारंग,पूनम मदान,नीलू खुराना, गीता शर्मा,भूमिका शर्मा,सुमन मनोचा, अनीता मनोचा, विमला रेशू सक्सेना,श्वेता, नेहा अरोड़ा, प्रिया मनोचा, मोना खुराना, राजेंद्र कौर, गुरमीत कौर,इंद्रजीत कौर, मुस्कान खनिजों, सीमा रानी,राम बेटी, चिका शर्मा, शालू राठी, सहित सैकड़ो की संख्या में भक्त भक्तानिया मौजूद थी।

भजन गायक मास्टर बॉबी के नॉन स्टॉप भजनों पर खूब झूमे श्रद्धालु

रुद्रपुर। श्री नीलकंठ धाम मंदिर में नवरात्रि के उपलक्ष्य में चल रही माता की चौकी में बीती रात भजन गायक मास्टर बॉबी ने नॉन स्टॉप भजनों गा कर उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। मास्टर बॉबी ने 1 घंटे से अधिक भोलेनाथ, माता रानी और बजरंगबली के नॉनस्टॉप कई भजन सुनाएं

और उपस्थित श्रद्धालुओं में इनका खूब आनंद उठाया जमकर नाचे। यहां आपको भी बता दें कि नवरात्रि के उपलक्ष में गंगापुर रोड स्थित श्री नीलकंठ धाम मंदिर में माता रानी की चौकियां और दरबार आयोजित हो रहा है। दरबार में काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर मैया रानी का गुणगान कर पुण्य लाभ उठा रहे हैं

विधायक ने ली लोक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक

निर्माण कार्यों मे तेजी लाने के दिये निर्देश

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। विधायक शिव अरोरा ने अपने कार्यालय पर लोक निर्माण विभाग के साथ विधानसभा रुद्रपुर की समीक्षा कर विकास कार्यों पर चर्चा की, जिसमे विधानसभा रुद्रपुर मे गतिमान निर्माण कार्य व आने वाले समय मे होने वाले विकास कार्यों पर पीडब्लूडी विभाग के अधिकारियो के साथ विस्तार से चर्चा की गयी। विधायक ने बैठक के दौरान अधिकारियो को कार्य प्रणाली मे तेजी लाने के सख्त निर्देश दिये ओर कार्य अपनी समय सीमा पर पूर्ण हो ऐसी विभाग सुनिश्चित करे । विधायक ने कहा रुद्रपुर विधानसभा मे विगत तीन वर्षो मे लगातार एक के बाद एक बड़े निर्माण कार्य करवाए गये है, तो वही हाल ही मे मुख्य बाजार के अन्तर्गत दो किलोमीटर हॉटमिक्स रोड जिनके कार्य टेंडर प्रकिया मे है ओर जल्द ही मुख्य बाजार की जर्जर पड़ी सड़को का निर्माण कार्य आरम्भ होगा। झील से चामुंडा मदिर तक चौड़ीकरण होकर रोड निर्माण जो वाइट टॉपिग द्वारा बनना है जिसका टेंडर लग चुका है

अगले एक माह मे कार्य शुरू हो जायेगा, साथ ही काशीपुर बाईपास चौड़ीकरण जिसके पहले चरण मे 3 करोड़ रूपये यूटिलिफटी शिफ्टिंग हेतु जारी हो गये है उसको भी अब जल्द ही आगे बढ़ाया जायेगा। विधायक शिव अरोरा ने जानकारी दी कि इंद्रा चौक से अटरिया मोड़ तक सौंदर्यीकरण चौड़ीकरण पहले चरण मे इंद्रा चौक से डीडी चौक तक किया जायेगा जिससे जाम से मुक्ति मिल सके वही उसके बाद दूसरे चरण मे डीडी चौक इंद्राचौक को सुंदर बनाने हेतु कार्य प्रारम्भ होगा तीसरे चरण मे डीडी चौक से अटरिया मोड़ तक चौड़ीकरण कार्य आरम्भ होगा। विधायक अरोरा ने कहा आने वाले समय मे निर्माण कार्यों मे तेजी आने वाली है उन्होंने कहा जिन सड़को के प्रस्ताव लंबित है वहाँ विभाग के माध्यम से पेचवर्क कर आवाजही सुचारु की है। इस दौरान अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी ओमपाल, एई केशव लाल, एईई प्रकाश पंत, जैई पूरन बहुगुणा, एई प्रेमप्रकाश आर्य आदि लोग मौजूद रहे।

चौकी पहुंचे विधायक ने जताया असंतोष

काशीपुर/कुंडा(उद संवाददाता)। कुंडा थाना क्षेत्र के शिवराजपुर पट्टी इलाके में अज्ञात चोरों ने खेतों से एक दर्जन से अधिक पानी की मोटरें चोरी कर ली। एक भी मामले में पुलिस ने अब तक कोई कार्यवाही नहीं की। क्षेत्रीय विधायक ने किसानों की शिकायत का संज्ञान लेते हुए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए। जानकारी के मुताबिक पिछले कुछ समय से कुंडा थाना क्षेत्र के शिवराजपुर पट्टी पुलिस चौकी क्षेत्र में चोरों का एक ऐसा गैंग सक्रिय है जो खेतों से पानी की कीमती मोटरों को बड़ी ही सफाई से उड़ा देता है। बीते 12 मार्च से अब तक खेतों से कुल 14 पानी की मोटरें चोरी हो चुकी है। ग्रामीणों का आरोप है की घटना के बाद वह लगातार मामले की शिकायत पुलिस से कर रहे हैं लेकिन पुलिस कार्यवाही के नाम पर ठीक से औपचारिकता भी नहीं कर पा रही है। पुलिस की सक्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 12

मार्च को एक ही रात में चार मोटरें चोरी हो गई। यानी चोर घटना को बेहद इत्मीनान से अंजाम दे रहे हैं। 20 दिन में पानी की कुल 14 मोटर खेतों से चोरी हो गई। पुलिस एक भी मामले में एक भी कदम आगे नहीं बढ़ सकी है। चोरों की आतंक से क्षेत्र के किसान बेहद परेशान है। सिंचाई में अवरोध उत्पन्न होने से फसलों के समक्ष संकट खड़ा हो चुका है। गांव के सतनाम सिंह दर्शन सिंह काका सिंह कपूर सिंह बलजीत सिंह आदि किसानों का आरोप है कि लगभग दो वर्ष पूर्व जब शिवराजपुर पट्टी पुलिस चौकी में सुप्रिया नेगी इंचार्ज हुआ करती थी उस दौरान भी चोरों के आतंक ने हलदुआ गांव के किसानों का जीना मुहाल कर दिया था। खेतों से ताबड़तोड़ मोटरें चोरी हुई लेकिन कार्यवाही के नाम पर पुलिस एक भी कदम आगे नहीं बढ़ सकी थी। ऐसा ही कुछ हाल इस बार भी है। मौजूदा चौकी इंचार्ज की कार्यशैली से क्षेत्रीय लोग संतुष्ट नहीं है। पुलिस की निष्क्रियता को देखते हुए बुधवार को जसपुर विधायक आदेश चौहान खुद चौकी पहुंच गए। उन्होंने पुलिस कार्यशैली पर असंतोष जताया।